सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

ऊँचाई पर वही पहुँचते है, जो बदला नहीं बदलाव लाने की सोच रखते है।

वर्ष 01, अंक 268, नई दिल्ली

शुक्रवार, 08 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

यमुना एक्सप्रेस वे पर रफ्तार को लेकर नया नियम, अब इतनी स्पीड में दौड़ा सकेंगे वाहन; रूल तोड़ने पर लगेगा बड़ा फटका

नोएडा से आगरा जाने वाले यमुना एक्सप्रेस-वे पर 15 दिसंबर से गति सीमा सौ किमी प्रति घंटा से घटाकर 75 किमी प्रति घंटा करने के आदेश यमुना प्राधिकरण ने जारी कर दिए हैं। एक्सप्रेस-वे पर दो माह तक यानि 15 फरवरी तक अधिकतम 75 किमी प्रति घंटा गति सीमा प्रभावी रहेगी। इससे अधिक गति से वाहन चलाने पर चालान की कार्रवाई होगी।

संजय बाटला

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस वे पर 15 दिसंबर से गति सीमा सौ किमी प्रति घंटा से घटाकर 75 किमी प्रति घंटा करने के आदेश यमुना प्राधिकरण ने जारी कर दिए हैं।

एक्सप्रेस-वे पर दो माह तक यानि 15 फरवरी तक अधिकतम 75 किमी प्रति घंटा गति सीमा प्रभावी रहेगी। इससे अधिक गति से वाहन चलाने पर चालान की कार्रवाई होगी। सर्दियों में कोहरे के कारण होने वाले हादसों की रोकथाम के लिए गति सीमा कम की गई है।

पिछले दिनों सीएम ने की थी सड़क सुरक्षा समिति बैठक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किमी लंबे यमुना एक्सप्रेस वे पर सर्दियों के दौरान हादसे की आंशका बढ़ जाती है। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से तेज रफ्तार वाहनों के टकराने की आशंका रहती है।

हादसों की रोकथाम के लिए यमुना प्राधिकरण एक्सप्रेस वे पर सर्दियों में अधिकतम गति सीमा को कम करता है। इसके बाद भी पंद्रह दिसंबर से पंद्रह फरवरी तक एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा 75 किमी प्रति घंटा तय की गई है।

पहले 100 किमी प्रति घंटे की थी स्पीड

इसे लागू करने के लिए एक्सप्रेस-वे की संचालक कंपनी को आदेश जारी कर दिए गए हैं। एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा सौ किमी प्रति घंटा निर्धारित है।

यमुना प्राधिकरण सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि एक्सप्रेस वे पर कोहरे के कारण दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए गति सीमा 75 किमी प्रति घंटा रहेगी। इसका उल्लंघन करने वालों पर यातायात पुलिस कार्रवाई करेगी।

रेडियो के माध्यम से भी फैलाएंगे जागरूकता

वाहन चालकों को जागरूक करने के

लिए प्रवेश व निकासी प्वाइंट पर पैंफ्लेट वितरण, टोल प्लाजा पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम से लोगों को जागरूक किया जाएगा।

रेडियो के माध्यम से भी जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए हैं। डिस्प्ले बोर्ड पर सूचना, प्रवेश व निकासी प्वाइंट पर फाग लाइट, रिफ्लेक्टिव टेप आदि लगाए जाएंगे।

एक्सप्रेस वे पर लगेंगे 64 कैमरे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक में यमुना एक्सप्रेस वे पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।

सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश के मद्देनजर एक्सप्रेस वे पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या 42 से बढ़ाकर 64, क्रेन की संख्या आठ से 16 व एंबूलेंस की संख्या छह से बढ़ाकर 12 की जाएगी।

एक्सप्रेस-वे पर साइनेज बोर्ड, थर्मोप्लास्टिक पैंट, सड़क किनारे रिफ्लेक्टिव लाइट लगने का कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। तीन माह में संचालक कंपनी को यह कार्य पूरा करना होगा।

सावधान! ट्रैफिक को लेकर आ गया नया नियम, 10 महीने में कटे 15 लाख से ज्यादा चालान; यह है बड़ी वजह

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तर प्रदेश ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के लिए नया नियम लाया गया है। अब तीन बार ट्रैफिक नियम तोड़ने पर आपका ड्राइविंग लाइसेंस रद्द हो सकता है। अगर उसके बाद भी चालक नहीं मानते हैं तो उनके वाहनों का पंजीकरण भी निरस्त कराया जाएगा। अभी केवल उन वाहन चालकों के ही डीएल निलंबित करने की संस्तुति की जाती है जो वाहन जिले में रजिस्टर्ड हैं।

नोएडा। अगर आप बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन कर चालान नहीं भरने के आदी है, तो सावधान हो जाए। अब किसी भी चालक का लगातार तीन बार से अधिक चालान होने पर उसका ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन के लिए आरटीओ को सूचना भेजी जाएगी। इसके बाद भी यातायात नियम का उल्लंघन करने पर वाहनों का पंजीयन निरस्त किया जाएगा।

सड़क पर ओवरस्पीड वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन चलाने, सड़क पर विपरीत दिशा में वाहन दौड़ाने व लाल बत्ती जंप कर चलने पर चालान के साथ इन वाहन चालकों के डीएल निलंबित करने का प्रविधान है।

जनवरी से 31 अक्टूबर तक 15 लाख से अधिक वाहन चालकों के चालान कटे हैं। इनमें से करीब पचास हजार वाहन चालक डीएल निलंबित करने की श्रेणी में आ रहे हैं।

'...तो रद्द हो जाएगा आपका ड्राइवगि लाइसेंस', यूपी में ट्रैफिक रूल तोड़ने वालों पर सख्त हुई योगी सरकार; दिए ये निर्देश

अभी की जाती है डीएल निलंबित करने की संस्तुति

अभी केवल उन वाहन चालकों के ही डीएल निलंबित करने की संस्तुति की जाती है, जो वाहन गौतमबुद्धनगर में रजिस्टर्ड हैं। इसके लिए डाटा तैयार किया जाता है। ऐसे चालकों का तीन माह के लिए डीएल निलंबित किया जाता है।

जिले में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लाने के लिए अब बार-बार ट्रैफिक रूल तोड़ने वालों से ट्रैफिक पुलिस अब सख्ती से निपटेगी। डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव का कहना है कि सड़क हादसे में कमी लाने के लिए जागरुकता के प्रयास किए जा रहे हैं।

अब तीन बार से ज्यादा यातायात नियम का उल्लंघन कर चालान नहीं भरने वालों का डीएल निलंबित किया जाएगा। अगर उसके बाद भी चालक नहीं मानते हैं तो उनके वाहनों का पंजीकरण भी निरस्त कराया जाएगा।

15 से 31 दिसंबर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा पखवाड़ा आयोजन होगा। जिसमें सभी स्कूली वाहनों के फिटनेस की जांच के साथ वाहन चालकों के भी मेडिकल फिटनेस की जांच कराई जाएगी। शिक्षण संस्थानों में छात्रों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियमों की जानकारी दी जाएगी।

80 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस तेज रफ्तार के कारण हुए निलंबित

जिले में इस साल सबसे ज्यादा 280 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। इनमें से 80 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस तेज रफ्तार के कारण निलंबित किए गए है। तेज गति में वाहन चलाने, गलत दिशा में वाहन चलाने, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने, नशे में वाहन चलाने और लालबत्ती का उल्लंघन शामिल है। वहीं, गाड़ी में क्षमता से अधिक सामान ढोने के कारण भी ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जाते हैं।

हमेशा के लिए छिन जाता है वाहन चलाने का अधिकार

दो बार ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित होने के बाद तीसरी बार में यातायात नियम के उल्लंघन पर डीएल निरस्त करने का नियम है। अभी तक किसी भी चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त नहीं किया गया है। एक बार ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने के बाद दोबारा नहीं बन सकता है। चालक से वाहन चलाने का अधिकार हमेशा के लिए छिन जाता है।

धूल और धुएं में उड़ रहीं ग्रेप के नियमों की धज्जियां, नहीं लग रहा जुर्माना

अधिकारियों की लापरवाही से जिले का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) बुधवार को फिर से खराब श्रेणी में पहुंच गया है। 38 अंक बढ़ने के साथ एक्यूआइ 230 दर्ज किया गया। लोनी व वसुंधरा की हवा सबसे ज्यादा खराब है। लोनी का एक्यूआइ 257 व वसुंधरा का 244 दर्ज किया गया। वहीं संजय नगर व इंदिरापुरम का एक्यूआइ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया।

साहिबाबाद। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के नियमों की धज्जियां धूल और धुएं में उड़ रही हैं। सड़कों पर उड़ती धूल को रोकने के लिए छिड़काव तो दूर की बाद जगह-जगह कूड़ा जलाकर प्रदूषण फैलाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी मौन बने हुए हैं। रोजाना आग की घटना होने के बाद भी तीन नवंबर के बाद से कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है। अधिकारियों की लापरवाही से जिले का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) बुधवार को फिर से खराब श्रेणी में पहुंच गया है। 38 अंक बढ़ने के साथ एक्यूआइ 230 दर्ज किया गया। लोनी व वसुंधरा की हवा सबसे ज्यादा खराब है। लोनी का एक्यूआइ 257 व वसुंधरा का 244 दर्ज किया गया।

वहीं संजय नगर व इंदिरापुरम का एक्यूआइ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। मंगलवार को जिले का एक्यूआइ 192 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया था। संबंधित विभागों के अधिकारी प्रदूषण से राहत नहीं दिला पा रहे हैं। लोग प्रदूषण के बढ़ते स्तर से राहत पाने के लिए मौसम पर ही निर्भर हो गए हैं। हवा चलने या बूंदाबांदी होने पर ही लोगों को इससे राहत मिलती है।

मोहन नगर फ्लाइओवर के पास दिनभर जलता रहा कूड़ा

मोहन नगर फ्लाइओवर के पास दिनभर कूड़ा जलता रहा। इससे आस पास लगे पेड़ों की शाखाओं में भी आग लग गई। इस पर किसी भी जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों की नजर नहीं पड़ी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी संबंधित विभाग पर जुर्माना नहीं लगाया।

कागजों में हो रहा 10 टैंकरों से छिड़काव

जिले में साहिबाबाद, वसुंधरा, इंदिरापुरम, लोनी समेत विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों पर धूल उड़ रही है। नगर निगम व जीडीए के अधिकारी पानी का छिड़काव नहीं करा रहे हैं। सड़कों पर उड़ रही धूल प्रदूषण को बढ़ावा दे रही है। नगर निगम द्वारा कागजों में 10 टैंकरों से पानी का छिड़काव कराने का दावा कर रहा है, लेकिन कहीं भी छिड़काव होता नहीं दिख रहा।

जिले के स्टेशनों का एक्यूआइ

वसुंधरा 244	इंदिरापुरम 227	संजय नगर 192	लोनी 257
जिले का एक्यूआइ बुधवार	230	मंगलवार	192

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मैंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

बुराड़ी में अशोक लीलैंड ड्राइविंग प्रशिक्षण के स्थान पर इलेक्ट्रिक बस टर्मिनल बनाने के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूल को बनवाया जा रहा है मलिकपुर नजफगढ़

परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

दिल्ली सरकार परिवहन विभाग बुराड़ी में अशोक लीलैंड द्वारा संचालित उत्तर-पश्चिम दिल्ली की जनता को मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण देने वाले संस्थान के स्थान पर इलैक्ट्रिक बस डिपो बनाने के लिए उसे बंद करके दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के मलिक पुर गांव में मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूल शुरू करने जा रही है।परिवहन विभाग ने इसके लिए 36.74 करोड की लागत से तैयार करने संबंधी टेंडर तक जारी कर दिया है। इस प्रशिक्षण स्कूल में भारी से लेकर हल्के वाहनों को चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले चरण में इसे भारी वाहन चालक के लिए शुरू किया जाएगा। महिलाओ को पूर्ण प्रशिक्षण के बाद सरकार की बसों को चलाने का मौका दिया जाएगा। महिला चालक को यहां विशेषज्ञों द्वारा कौशल परीक्षण सहित योग्यता प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस कार्य के लिए सरकार ने निजी कंपनियों से करार किया हुआ है। जहां दिल्ली सरकार की बसों के लिए भी चालक को प्रशिक्षण दिया जाता है। ऐसे स्कूल लोनी रोड, बुराडी और सराय काले खां में पिछले कई सालों से चल रहे हैं पर अब बुराड़ी में चल रहे ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूल की जगह उत्तर - पश्चिम की जनता को परिवहन विभाग के आयुक्त के जनहित कार्यों में विशेष होने के कारण मलिकपुर नजफगढ़ में जाना होगा।

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

5 डेली लाइफ की चीजें महिलाएं जरूर सीख लें, मदद की नहीं पड़ेगी जरूरत, कदम से कदम मिलाकर चलें जमाने के साथ

जीवन में कुछ बुनियादी कौशल हैं, जिन्हें हर महिला को सीखना ही चाहिए. इन्हीं कौशलों में से एकाध हैं बच्चों की परवरिश, खाना बनाना आदि. लेकिन, आपको यह जानना जरूरी है कि इन चीजों के अलावा भी कई चीजे हैं, जिसे जल्द से जल्द सीखना महिलाओं के लिए जरूरी होता है. इन चीजों को अगर आप सीख लें तो लोगों पर निर्भरता आपकी कम होगी और आप लोगों से मदद मांगने की बजाय, उनकी मदद कर सकेंगी. जानते हैं कि बेहतर जीवन के लिए हर महिला को डेली लाइफ में किन प्रैक्टिकल स्किल को सीखना जरूरी है.

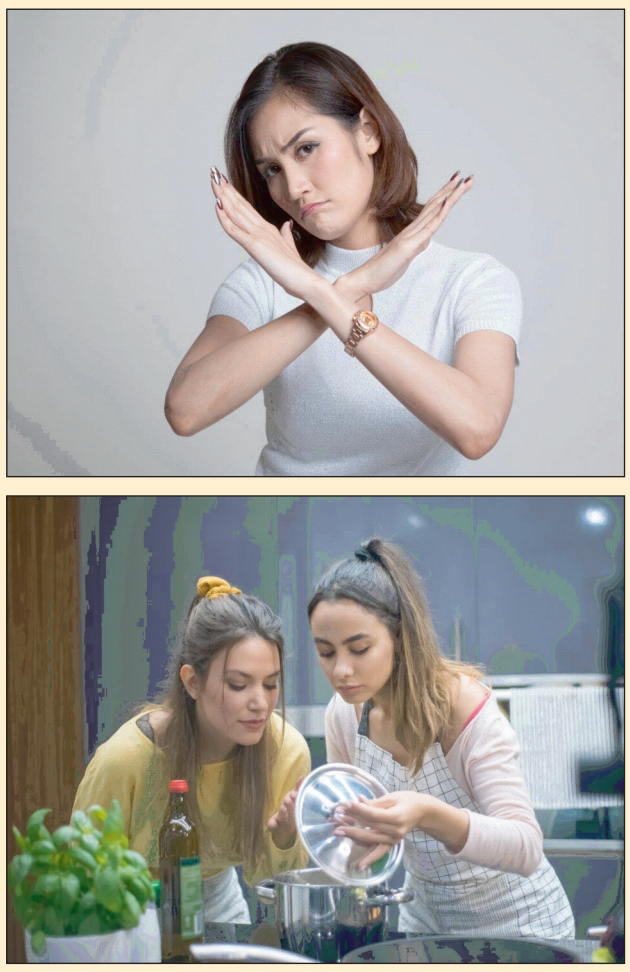

1/ 5 बेसिक स्किल के रूप में हर महिला को ड्राइविंग के अलावा टायर और इंजन ऑयल बदलना भी सीखना जरूरी है. जितना जरूरी महिलाओं के लिए ड्राइविंग सीखना होता है, अपनी गाड़ी से जुड़ी हर बात की जानकारी रखना भी लड़कियों के लिए बहुत जरूरी है. मान लें कि आप कभी आप किसी ट्रैवल में हों और आपका टायर पंचर हो जाए और आपका मोबाइल काम ना करे. ऐसे में आप खुद ही गाड़ी का टायर बदल सकती हैं. वरना मदद के चक्कर में आप बुरे लोगों की चंगुल में आ सकती हैं.
Image : Canva
बेसिक स्किल के रूप में हर महिला को ड्राइविंग के अलावा टायर और इंजन ऑयल बदलना भी सीखना जरूरी है. जितना जरूरी महिलाओं के लिए ड्राइविंग सीखना होता है, अपनी गाड़ी से जुड़ी हर बात की जानकारी रखना भी लड़कियों के लिए बहुत जरूरी है. मान लें कि आप कभी आप किसी ट्रैवल में हों और आपका टायर पंचर हो जाए और आपका मोबाइल काम ना करे. ऐसे में आप खुद ही गाड़ी का टायर बदल सकती हैं. वरना मदद के चक्कर में आप बुरे लोगों की चंगुल में आ सकती हैं.

2/ 5 विनम्र तरीके से और दृढ़तापूर्वक किसी को ना कहना सीखना हर महिला को आना चाहिए. अगर आप किसी को ना नहीं कह पाती हैं तो आपको जल्द से जल्द यह सीखने की जरूरत है. इस तरह आप अपने साथ होने वाली कई अनहोनी घटनाओं को होने से रोक सकेंगी. अगर कोई आपको कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहा है जिसे आप नहीं करना चाहती हैं तो आपको खुद के लिए खड़े होना सीखना होगा और 'ना' कहना होगा.
विनम्र तरीके से और दृढ़तापूर्वक किसी को ना कहना सीखना हर महिला को आना चाहिए. अगर आप किसी को ना नहीं कह पाती हैं तो आपको जल्द से जल्द यह सीखने की जरूरत है. इस तरह आप अपने साथ होने वाली कई अनहोनी घटनाओं को होने से रोक सकेंगी. अगर कोई आपको कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहा है जिसे आप नहीं करना चाहती हैं तो आपको खुद के लिए खड़े होना सीखना होगा और 'ना' कहना होगा.

3/ 5 अगर आप बजट बनाना और अपने पैसों का सही निवेश करना सीख जाती हैं, तो आप आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करेंगी. अगर आप यह सीख जाएं कि कैसे अपने पैसे को इनवेस्ट करना है, तो आप जो कुछ भी जीवन में करना चाहती हैं, उसके लिए खुद पैसा पैदा भी कर सकती हैं. अगर आप बजट बनाना और अपने पैसों का सही निवेश करना सीख जाती हैं, तो आप आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करेंगी. अगर आप यह सीख जाएं कि कैसे अपने पैसे को इनवेस्ट करना है, तो आप जो कुछ भी जीवन में करना चाहती हैं, उसके लिए खुद पैसा पैदा भी कर सकती हैं.

4/ 5 अगर आप कुकिंग नहीं जानतीं तो आपको कदम कदम पर दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है. यही नहीं, आप चाहकर भी किसी को अपने हाथ से बना कुछ स्पेशल नहीं खिला पाएंगी. ऐसे में कम से कम 3 कंप्लीट डिश आप जरूर बनाना सीखें. यही नहीं, यह भी प्रयास करें कि आप रोज खाने वाले आसान डिश को भी बनाना सीख जाएं. इससे आपको हर बार बाहर के खाने को ऑर्डर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आप हेल्दी रहेंगी.
अगर आप कुकिंग नहीं जानतीं तो आपको कदम कदम पर दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है. यही नहीं, आप चाहकर भी किसी को अपने हाथ से बना कुछ स्पेशल नहीं खिला पाएंगी. ऐसे में कम से कम 3 कंप्लीट डिश आप जरूर बनाना सीखें. यही नहीं, यह भी प्रयास करें कि आप रोज खाने वाले आसान डिश को भी बनाना सीख जाएं. इससे आपको हर बार बाहर के खाने को ऑर्डर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आप हेल्दी रहेंगी.

5/ 5 हर महिला को यह पता होना चाहिए कि आंधी के बीच, अंधेरे में किसी अपरिचित जगह पर कैसे ड्राइव करना या रास्ता ढूंडना है. अगर आप कभी खो जाएं तो अपना रास्ता कैसे खोजें. अगर आपका जीपीएस टूट जाए और रास्ता बताने के लिए कोई ना हो तो किस तरह मैप की मदद से जगह को ढूंडें.अगर आप इस तरह के कौशल को अपने अंदर पैदा कर लें तो यकीन मानिए, आप अधिक फ्री महसूस करेंगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा.
हर महिला को यह पता होना चाहिए कि आंधी के बीच, अंधेरे में किसी अपरिचित जगह पर कैसे ड्राइव करना या रास्ता ढूंडना है. अगर आप कभी खो जाएं तो अपना रास्ता कैसे खोजें. अगर आपका जीपीएस टूट जाए और रास्ता बताने के लिए कोई ना हो तो किस तरह मैप की मदद से जगह को ढूंडें.अगर आप इस तरह के कौशल को अपने अंदर पैदा कर लें तो यकीन मानिए, आप अधिक फ्री महसूस करेंगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा.

वर्किंग वुमन के लिए बेस्ट हैं ये हेल्थ केयर टिप्स, 5 आसान तरीके करें फॉलो, हमेशा रहेंगी फिट और हेल्दी

रोजमर्रा की बिजी लाइफस्टाइल में ज्यादातर महिलाओं को अपने लिए समय नहीं मिल पाता है. खासकर वर्किंग वुमन के लिए घर और ऑफिस को संभालना काफी मुश्किल टास्क होता है. हालांकि वर्किंग वुमन अगर चाहें तो कुछ आसान तरीकों की मदद से ना सिर्फ घर और बाहर की जिम्मेदारियों के बीच में अपना खास ख्याल रख सकती हैं बल्कि खुद को फिट और हेल्दी भी बना सकती हैं.
घर और ऑफिस का काम करते समय महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को नजर अंदाज कर देती हैं. जिसके चलते आप कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का भी शिकार हो सकती हैं. इसलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं वर्किंग वुमन के लिए कुछ आसान हेल्थ केयर टिप्स, जिसे फॉलो करके आप हेल्दी लाइफस्टाइल को फुल एन्जॉय कर सकती हैं.

हैवी नाश्ता करें

काम में बिजी होने के कारण कई बार वर्किंग वुमन को खाने का समय नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप सुबह हैवी नाश्ता कर सकती हैं. इससे ना सिर्फ आपका पेट भरा रहेगा बल्कि काम के दौरान आपको भूख का भी कम अहसास होगा और आप काम पर पूरा फोकस कर पाएंगी.

हेल्दी डाइट लें

वर्किंग वुमन अक्सर भूख लगने पर जंक फूड या तला-भुना खाकर पेट भर लेती हैं. जिससे आपके शरीर में पोषण की कमी होने लगती है और आप बीमार भी पड़ सकती हैं. इसलिए हमेशा घर का खाना खाने पर जोर दें. साथ ही डाइट में दही, सीजनल फ्रूट्स और हरी सब्जियों जैसी न्यूट्रिएंट्स रिच चीजों का सेवन करें. जिससे आप फिट और हेल्दी रह सकेंगी.

भरपूर पानी पिएं

वर्किंग वुमन अक्सर काम में उलझकर समय पर पानी पीना भी भूल जाती हैं. जिससे आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकती हैं. इसलिए काम के दौरान बीच-बीच में पानी जरूर पीएं. वहीं दिन में 8-10 गिलास पानी पीकर आप खुद को हाइड्रेटेड और एनर्जेटिक रख सकती हैं.

तनाव मुक्त रहें

घर और ऑफिस का काम मैनेज करने के चक्कर में कई बार महिलाएं स्ट्रैस लेने लगती हैं. जिससे ना सिर्फ आपका मूड खराब हो जाता है बल्कि काम में भी पूरी तरह से मन नहीं लग पाता है. इसलिए काम के बीच में खुद को खुश रखने की कोशिश करें. जिससे आप तनाव मुक्त रह सकेंगी.

हर वक्त छाई रहती है उदासी? 13 आदतों से जीवन में लाएं हैप्पीनेस, निगेटिव सोच छू भी नहीं पाएगी

जीवन कभी एक समान नहीं चलता है. कभी खुशी तो कभी गम के बादल छाए रहते हैं. इससे सोच और मानसिकता भी काफी हद तक प्रभावित होती है. अगर आप बुरे दौर से गुजर रही हैं और खुशियों के लिए तरस गई हैं तो अपनी आदतों में कुछ बदलाव लाकर देखें. हर हालात में खुद को खुश रख सकेंगी.

स्ट्रेस आज के लाइफस्टाइल का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है. तनाव और संघर्षों के बीच खुद को खुश रखना आसान काम नहीं होता. ऐसे में उदासी और अवसाद की भावनाएं ज्यादातर वर्किंग और हाउस वाइफ्स के जीवन को निराशा से भर देते हैं.

प्रिवेंशन डॉट कॉम के मुताबिक, मैनहट्टन के क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट जूडी हो के अनुसार, खुशी का मतलब यह नहीं है कि हमारे आसपास नकारात्मक भावनाएं ना हों और सकारात्मक भावनाओं की प्रचुरता हो. खुश होने का अर्थ है जीवन जीने और अपने मूल्यों के अनुसार जीने के बारे में सोचना. जब आप जीवन और खुशियों को इस तरह सोचेंगे तो अपने इमोशनल उतार-चढ़ाव का बेहतर तरीके से सामना कर पाएंगे. आइए जानते हैं कि आप अवसाद के दौर में खुद को किस तरह खुश रख सकती हैं.

खुशियों के लिए 13 आदतों को जीवन में करें शामिल

1.आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए कृतज्ञता की भावना रखें और छोटी-छोटी मदद करने पर भी लोगों को धन्यवाद देना शुरू कर दें.

2. सुबह के वक्त सकारात्मक चीजें करें और दिन की शुरुआत स्ट्रेचिंग, व्यायाम, ध्यान, आध्यात्मिक किताबों के साथ करें.

3. अपने लिए जॉय लिस्ट बनाएं और रोज कुछ ऐसा काम करें जिसे करने में आपको बहुत अधिक मजा आता है.

4. मेंटल हेल्थ के लिए इंडॉरफिन हार्मोन का रिलीज होना जरूरी है, इसके लिए आप नियमित रूप से अधिक से अधिक व्यायाम, वॉक, डांस आदि करें.

5. खुद को अधिक से अधिक हाइड्रेट रखने का प्रयास करें जिससे मूड पर निगेटिव बातों का असर कम पड़ता है और आप खुद को बेहतर रख पाते हैं.

6. पर्सनल गोल्स बनाएं और उन्हें अचीव करने के लिए प्रयास करें. दरअसल जब आप खुद के लिए कुछ अच्छा करती हैं तो आप अंदर से खुश हो पाती हैं.

7. खुद का चैलेंज देते रहें और अपने बाउंड्री से बाहर आकर कुछ ऐसा काम करें जो अब तक आपने नहीं किया. अचीव करने पर खुद को रिवार्ड भी दें.

8. अपने लाइफ में कुछ मीनिंग फुल काम करें. इसके लिए आप प्लान बनाएं और अपनी क्रिएटिविटी पर भरोसा करें.

9.अगर आपको डिसीजन लेने में समस्या आती है तो पहले खुद को इसके लिए तैयार करें और अपने निर्णय खुद लेना शुरू कर दें.

10. तनाव हर किसी के जीवन का हिस्सा है, ऐसे में खुद को स्ट्रेस के असर से बचाने का जहां तक हो सके, प्रयास करें.

11. गहरी सांस आपको परेशानियों से बचा सकती है. इसलिए गहरी सांस लेने की आदत डालें. इसके अलावा आप दिन में दो बाद प्राणायाम आदि का अभ्यास करें.

12. लोगों से मिलें और अपना दायरा बढ़ाएं. अपने पसंद और हॉबीज वाले लोगों के साथ दोस्ती करें और क्लब आदि ज्वाइन करें.

13. अपनी सेहत को प्रयोरिटी में लें और हेल्दी डाइट मेंटेन करने के लिए हर संभव प्रयास करें. हेल्दी ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर की आदत डालें और समय पर खाना पीना करें.

ये आदतें आपके अवसाद को धीरे धीरे दूर करने लगेंगे और आप अंदर से खुशियां महसूस कर पाएंगे।

दिल्ली पहुंचा चीन वाला निमोनिया वायरस ?
मीडिया रिपोर्ट्स पर एम्स ने दिया जवाब, बताया क्या है सच

परिवहन विशेष न्यूज

कई मीडिया रिपोर्ट्स में चीन में हाहाकार मचाने वाले निमोनिया बैक्टीरिया के केस दिल्ली में पाए जाने के दावे किए जा रहे थे जिसे दिल्ली एम्स ने नकार दिया है। दिल्ली एम्स ने स्टेटमेंट जारी करते हुए यह स्पष्ट किया है कि एम्स में भर्ती निमोनिया के किसी मरीज का चीन में मिले निमोनिया के वायरस से कोई संबंध नहीं है।

नई दिल्ली। कई मीडिया रिपोर्ट्स में चीन में हाहाकार मचाने वाले निमोनिया बैक्टीरिया के केस दिल्ली में पाए जाने के दावे किए जा रहे थे, जिसे दिल्ली एम्स ने नकार दिया है।

दिल्ली एम्स ने स्टेटमेंट जारी करते हुए यह स्पष्ट किया है कि एम्स में भर्ती निमोनिया के किसी मरीज का चीन में मिले निमोनिया के वायरस से कोई संबंध नहीं है।

भ्रामक और गलत है मीडिया रिपोर्ट

एम्स ने मीडिया में चल रही रिपोर्ट पर बयान जारी करते हुए कहा है कि मीडिया रिपोर्ट्स में जो दिल्ली एम्स में आए निमोनिया के मामलों का चीन के बैक्टीरिया से कनेक्शन बता रहे हैं वह भ्रामक और गलत है।

माइकोप्लाज्मा भारत में पाया जाने वाला निमोनिया का सबसे कॉमन बैक्टीरिया है और इसका चीन में हाल में सामने आए मामलों से संबंध नहीं है।

अप्रैल से सितंबर के बीच आए सात मामले

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के सात मामले सामने आए हैं। यह मामले इस साल अप्रैल से सितंबर माह के बीच सामने आए। हालांकि रिपोर्ट्स में इनके बारे में जो दावा किया है कि यह चीन वाले बैक्टीरिया से संबंधित हैं, यह तथ्य पूरी तरह से गलत है।

क्या हैं माइकोप्लाज्मा निमोनिया के लक्षण

बता दें कि एम्स दिल्ली माइकोप्लाज्मा निमोनिया के प्रसार की निगरानी करने वाले वैश्विक संघ का भी हिस्सा है। माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण के लक्षणों में लंबे समय तक गला खराब होना, थकान, बुखार, खांसी हैं। यह संक्रमण चीन में तेजी से फैल रहा है।

नहीं थम रहा चाकूबाजी का दौर, ड्यूटी से घर लौटते युवक से लूट का प्रयास; विरोध करने पर चाकू मारकर की हत्या

उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर में लूटपाट का विरोध करने पर युवक की चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। यह घटना बीते सोमवार रात की है। जानकारी के अनुसार मृतक तोमर कॉलोनी का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि घटना वाली रात ड्यूटी खत्म करने के बाद वह घर लौट रहा था तभी धीरपुर आईटीआई के पास कुछ बदमाशों ने रोककर उससे लूटपाट शुरू कर दी।

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर में लूटपाट का विरोध करने पर युवक की चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। यह घटना बीते सोमवार रात की है।

जानकारी के अनुसार मृतक तोमर कॉलोनी का रहने वाला था। वह मुखर्जी नगर में नौकरी करता था। बताया जा रहा है कि घटना वाली रात ड्यूटी खत्म करने के बाद वह घर लौट रहा था तभी धीरपुर आईटीआई के पास कुछ बदमाशों ने रोककर उससे लूटपाट शुरू कर दी।

विरोध करने पर एक ने उसे चाकू मार दिया था। राहगीरों की सूचना पर उसे उपचार के लिए सिविल लाइंस स्थित सुश्रुत ट्रामा सेंटर में भर्ती करा दिया गया था, जहां उपचार के दौरान बुधवार रात उसकी मौत हो गई।

फिल्मी अंदाज में फायरिंग, सप्लायर से लाखों रुपये का सोना-चांदी लूटा; मचा हड़कंप

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन दिनों अपराधी बेलगाम होते जा रहे हैं। बदमाश राजधानी में एक के बाद एक लूट की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामले में जहांगीरपुरी पुलिस थाना क्षेत्र में भलस्वा डेयरी फ्लाईओवर मुकरबा चौक पर दो बदमाशों ने कल रात फिल्मी अंदाज में फायरिंग कर करीब छह सौ ग्राम सोना व 10 किलो चांदी लूट कर फरार हो गए।

बाहरी दिल्ली। जहांगीरपुरी पुलिस थाना क्षेत्र में भलस्वा डेयरी फ्लाईओवर मुकरबा चौक पर दो बदमाशों ने कल रात फिल्मी अंदाज में फायरिंग कर करीब छह सौ ग्राम सोना व 10 किलो चांदी लूट कर फरार हो गए। सोने की सप्लाई करने वाले संदीप ने पुलिस को कॉल कर सूचना दी। संदीप ने बताया कि वह जेवरात लेकर जा रहे थे, दो बाइक सवार ने जमीन पर फायर किए। डर के मारे स्कूटी छोड़ दी। बदमाश स्कूटी लेकर फरार हो गए। स्कूटी में 525 ग्राम सोना, 105 ग्राम सोने की चेन, व 10 किलो चांदी थी।

ठक-ठक गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार

दक्षिणी जिला पुलिस ने ठक-ठक गिरोह के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों से लूट के मोबाइल और चोरी की स्कूटी बरामद की है। पुलिस पूछताछ में बदमाशों की पहचान मदनगीर निवासी सचिन, उस्मान उर्फ टेनी और अरूण उर्फ अन्ना के रूप में हुई है।

पुलिस ने इनसे दो मोबाइल, चोरी एक बाइक व स्कूटी बरामद की है। इनकी गिरफ्तारी से दक्षिण और दक्षिण पूर्व जिले के सात आपराधिक मामले सुलझे हैं। तीनों ठक-ठक गिरोह के सक्रिय बदमाश हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि तीन बदमाश मछली बाजार, पुष्प विहार के पास लूटपाट करने आएंगे। इस पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। जैसे ही बदमाश स्कूटी और बाइक पर सवार होकर मौके पर पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने मोबाइल साकेत और बाइक व स्कूटी गोविंदपुरी थानाक्षेत्र से चोरी की थी। सचिन नशे का आदी है। वह नौ आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है। उस्मान पर सात और अरूण पर 19 मामले दर्ज हैं।

52 करोड़ रुपये की बिजली हो गई चोरी, नौ सौ लोगों पर केस दर्ज; विद्युत निगम के हाथ अभी भी खाली

गाजियाबाद में बिजली चोरी धड़ल्ले से हो रही है। बीते महीने 52 करोड़ रुपये की बिजली चोरी हो गई। विद्युत निगम ने आनन-फानन में नौ सौ लोगों पर केस दर्ज कराया। इसके बावजूद निगम जुर्माने की राशि वसूलने में नाकाम रहा। बिजली चोरी रोकने के लिए विभिन्न कार्यों पर साढ़े तीन साल में 170 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया गया है।

गाजियाबाद। जिले में बिजली चोरी रोकना विद्युत निगम के लिए चुनौती बना हुआ है। पिछले एक माह में करीब 52 करोड़ रुपये की बिजली चोरी हुई है। विद्युत निगम ने छापेमारी कर एक माह में करीब नौ सौ बिजली चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर खानापूर्ति कर दी। जुर्माने की वसूली करने में विभाग नाकाम रहा। जनपद में बिजली चोरी रोकने के लिए विभिन्न कार्यों पर साढ़े तीन साल में 170 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया गया है। इसके बाद भी विद्युत निगम बिजली चोरी रोकने में फेल साबित हो रहा है। हर माह जिले में करीब 50 से 60 करोड़ की बिजली चोरी हो रही है।

दरअसल, गाजियाबाद में बिजली पर पॉवर कार्पोरेशन हर माह करीब 400 करोड़ रुपये खर्च करता है। पिछले माह विद्युत निगम के पास करीब 348 करोड़ रुपये राजस्व का हिसाब ही है। बिजली चोरी होने के कारण बाकी राजस्व का कोई हिसाब नहीं है। विद्युत निगम बिजली चोरी रोकने के लिए विभिन्न कार्य भी करा रहा है। लोनी, मुरादनगर, मोदीनगर, कैला भट्टा आदि क्षेत्रों में बिजली चोरी के सबसे ज्यादा मामले आ रहे हैं। विद्युत निगम के अधिकारी विजिलेंस टीम के साथ मिलकर छापेमारी करते हैं, लेकिन बिजली चोरी नहीं रुक रही है।

ट्रांसफार्मरों पर डीटी मीटरों से भी नहीं रुकी चोरी

बिजली चोरी रोकन के लिए ट्रांसफार्मरों पर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर (डीटी) मीटर लगाए गए हैं। इन मीटरों का उपयोग ट्रांसफार्मर की पावर सप्लाई को मापने में किया जा रहा है। ट्रांसफार्मर को मिलने वाली बिजली व उपभोक्ताओं के मीटर में खपत के अंतर के आधार पर चोरी का पता किया जा सके। लेकिन डीटी मीटर लगने के बाद भी बिजली चोरी नहीं रुकी।

फीडरों की निगरानी से भी फेल

कौन से क्षेत्र में किस फीडर पर कितना लोड है, इसकी निगरानी करने के लिए रियल टाइम डाटा एक्विजिशन सिस्टम भी लगाए गए हैं। इससे भी विद्युत निगम बिजली चोरी नहीं रोक पा रहा है। निगम के अधिकारियों का कहना है कि जिन फीडरों पर अचानक खपत से ज्यादा लोड सामने आ रहा है। ऐसे फीडरों पर मार्निंग रेड डाली जा रही है।

पिछले पांच माह में बिजली चोरी

माह	बिजली चोरी	साल	कुल मुकदमे
नवंबर	52	2019	1,112
अक्टूबर	59	2020	4,412
सितंबर	58	2021	2,303
अगस्त	61	2022	2,932
जुलाई	64	2023	3,299

दर्ज किए गए मुकदमे

ओल्ड पेंशन को लेकर कर्मचारियों की हुंकार: दिल्ली के रामलीला मैदान में देशभर से जुट रहे पेंशनर्स, संसद कूच की भी तैयारी

ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति द्वारा न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग को लेकर 7 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की गई है। इसमें देशभर के पेंशनर 132 रेल गाड़ियों के रद्द होने के बावजूद भी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। 7 दिसंबर को रामलीला मैदान में विशाल रैली के उपरांत 8 दिसंबर से जंतर मंतर पर आमरण अनशन किया जाएगा।

नई दिल्ली। ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति द्वारा न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग को लेकर 7 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की गई है। इसमें देशभर के पेंशनर 132 रेल गाड़ियों के रद्द होने के बावजूद भी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। 7 दिसंबर को रामलीला मैदान में विशाल रैली के उपरांत 8 दिसंबर से जंतर मंतर पर आमरण अनशन किया जाएगा। इस अनशन में एनएसी के प्रतिनिधि मंडल में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत, राष्ट्रीय महासचिव श्री वीरेन्द्र सिंह राजावत व राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार श्री डॉ. पी एन पाटिल आमरण उपोषण पर बैठेंगे।

जब तक केंद्र सरकार कोई निर्णय नहीं लेती है यह अनशन जारी रहेगा। रैली के लिए समिति के शीर्ष नेता दिल्ली और आसपास के शहरों में पेंशनरों की सभाएं कर उन्हें संगठित कर रहे हैं।

समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत ने कहा कि ईपीएस-95 पेंशनर्स पिछले 7 वर्षों से न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये महीना, महंगाई भत्ता, पति-पत्नी को मुफ्त चिकित्सा सुविधा और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार सभी को समान रूप से हायर पेंशन की मांग को लेकर देश भर में आंदोलन कर रहे हैं।

हमारी चार सूत्रीय मांगों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। EPFO के पास पर्याप्त मात्रा में फंड है लेकिन फिर भी जिस प्रकार से अन्य पेंशन योजनाओं में सरकार ने अपना अंशदान बढ़ाया है उसी प्रकार से EPS 95 पेंशन योजना में सरकार अपना अंशदान बढ़ाए व देश के वृद्ध EPS 95 पेंशनर्स को सम्मान देते हुए सुरक्षित रखे।

पेंशनर्स के लिये राष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष कर रहे संगठन एनएसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत ने एनएसी के प्रतिनिधि मंडल के साथ पूर्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रधानमंत्री कार्यालय में दो बार मुलाकात की व पेंशनर्स की 4 सूत्रीय मांग के विषय में ज्ञापन भी सौंपा था। कमांडर अशोक राऊत ने बताया कि NAC के मुख्यालय बुलढाणा, महाराष्ट्र में पिछले लगभग 1810 दिनों से क्रमिक अनशन जारी है।

गौरतलब है कि EPS 95 पिछले कई सालों से निरन्तर अलग-अलग मंचों से अपनी मांगो को लेकर प्रदर्शन कर रहा है। पेंशनर्स की मांग है कि उन्हें मिनिमम पेंशन 7500 रुपये एवं मंहगाई भत्ता दिया जाए। ईपीएफओ के पत्र दिनांक 23.03.2017 के अनुसार वास्तविक वेतन पर उच्च पेंशन के विकल्प की सुविधा साथ ही मेडिकल सुविधा व अन्य भी मान्य हो।

हमारी मांगों को सरकार ने लंबे समय से लंबित रखा है। अब हमारे लिए करो या मरो कि स्थिति है। प्रधानमंत्री से लेकर सभी मंत्री आश्वासन दे चुके हैं परंतु अभी तक कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण पेंशनरों में रोष व्याप्त है। पेंशन बढ़ने की आस में प्रतिदिन औसतन 200 पेंशनरों की मृत्यु होने के कारण समिति अब आमरण अनशन का मन बना चुकी है।

रमेश बहुगुणा, राष्ट्रीय सचिव

दूसरी तरफ निगम में प्रतिपक्ष नेता राजा इकबाल सिंह ने कहा है कि यह राशि तो ऊंट के मुंह में जीरे के समान है।

निगम वार्डो के पार्कों में 12.50 करोड के लगेगें बेंच

परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। दिल्ली नगर निगम के तहत निगम वार्डो के पार्कों में बैंच लगाने के लिए 12.50 करोड रूपये की राशि जारी की है। इस हिसाब से प्रत्येक वार्ड के हिस्से में महज 5 लाख रूपये की राशि आएगी। निगम का दावा है कि इस राशि का उपयोग पार्कों में बेंच लगाने के साथ निगम स्कूल, जोनल कार्यालय भवन, सामुदायिक हॉल, स्वास्थ्य केंद्र और वार्डो में एमसीडी द्वारा प्रबंधित किसी अन्य संपति में बेंच लगाने के लिए किया जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ निगम में प्रतिपक्ष नेता राजा इकबाल सिंह ने कहा है कि यह राशि तो ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। उन्होंने कहा कि 5 लाख रूपये में मात्र 40-45 बेंच ही खरीदें जा सकते हैं। इतने कम बेंचों को एक वार्ड में कहां -कहां रखा जाएगा। बहरहाल वार्ड-24 विजय विहार, रोहिणी की निगम पार्षदा पुष्पा सुरेंद्र सौलंकी के पति सुरेन्द्र सौलंकी ने इस बावत माना कि क्षेत्र के निगम पार्कों के विकास के लिए राशि सैंक्शन हो गई है। जल्द ही इलाके की आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग कर शीघ्र ही पार्कों के सौंदर्यकरण समेत जरूरी निर्माण एवं विकास कार्य को करवाने की करवाई की जाएगी। इसकी शुरुआत सेक्टर-4, रोहणी स्थित विजय विहार फेज-2 के महादेव पार्क से की जाएगी। इस बावत विजय विहार रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रेसीडेंट दयानंद भारद्वाज ने बताया कि महादेव पार्क की स्थिति निगम के हाल्टीकल्चर विभाग की लापरवाही के चलते बेहद ही बुरे हालत में है। यहां निगम बेसुदी का ये आलम है कि पौधों की सिंचाई, साफ सफाई के अभाव में घास पौधे तो लगभग खत्म हो गए हैं। वहीं बच्चों के लिए लगे लोहे के झूले की फिसलने की जगह कटी फटी पडी है। इससे झूलने वाले छोटे बच्चे चोटिल हो रहे हैं।आरडब्ल्यूए प्रेसीडेंट दयानंद भारद्वाज ने बताया कि पार्क में लगे ओपन जिम के तमाम इंस्ट्रूमेंट्स नशेडियों ने चोरी कर लिए हैं वर्तमान में टूटे फूटे जिम से जैसे-तैसे महिलाएअ सेहत की जगह परेशान हो रही हैं। प्रेसीडेंट ने संबधित उधान विभाग निगम अधिकारियों से महादेव पार्क की दयनीय हालत को सुधारने के लिए तुरंत एक्शन लेने की गुहार लगाई है।

इस दिन नोएडा आ रहे हैं सीएम योगी, गौतमबुद्ध नगर के तीनों प्राधिकरणों की लेंगे रिपोर्ट; अधिकारियों की बढ़ी धड़कन

मुख्यमंत्री यागी आदित्यनाथ समीक्षा बैठक के दौरान तीनों प्राधिकरण में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तैयारी की समीक्षा के साथ जिले में चल रही महत्वपूर्ण परियोजनाओं की जानकारी भी लेंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में होने वाली समीक्षा बैठक की तैयारी के लिए प्राधिकरण अधिकारियों ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके अलावा प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस मिश्रा भी 15 दिसंबर को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की प्रगति का जायजा लेने के साथ समन्वय समिति की बैठक करेंगे। इस दौरान वह यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की भी निरीक्षण करेंगे।

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गौतमबुद्ध नगर में होंगे। एक निजी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे मुख्यमंत्री नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण की समीक्षा बैठक भी करेंगे। प्राधिकरण के अधिकारियों की धड़कन बढ़ी हुई है कि कही उनकी क्लास न लग जाए।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में होने वाली समीक्षा बैठक की तैयारी के लिए प्राधिकरण अधिकारियों ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके अलावा प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस मिश्रा भी 15 दिसंबर को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की प्रगति का जायजा लेने के साथ समन्वय समिति की बैठक करेंगे। इस दौरान वह यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की भी निरीक्षण करेंगे।

जनवरी में होगी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी

प्रदेश सरकार जनवरी में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी करने जा रही है। फरवरी में लखनऊ में हुए ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण के साथ निवेशकों ने हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर अनुबंध किए थे। यमुना प्राधिकरण के साथ ही एक लाख 26 हजार करोड़ के निवेश अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए थे।

अब इन निवेश प्रस्ताव को धरातल पर उतारने की तैयारी चल रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार तीनों प्राधिकरण को पहले ही लक्ष्य दे चुकी है। नोएडा को सत्तर हजार करोड़, यमुना प्राधिकरण को साठ हजार करोड़ का लक्ष्य मिला है।

अधिकारियों की बढ़ी धड़कन

मुख्यमंत्री यागी आदित्यनाथ समीक्षा बैठक के दौरान तीनों प्राधिकरण में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तैयारी की समीक्षा के साथ जिले में चल रही महत्वपूर्ण परियोजनाओं की जानकारी भी लेंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अलावा मेडिकल डिवाइस पार्क, फिल्म सिटी आदि के अलावा तीनों प्राधिकरण में बिल्डर बायर विवाद के समाधान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी लेंगे। अधिकारी मुख्यमंत्री के सामने अपने कार्यों की प्रस्तुतिकरण करने के लिए तैयारी में जुट गए हैं।

15 दिसंबर को नोएडा एयरपोर्ट साइट पर समन्वय समिति की होगी बैठक

वहीं मुख्य सचिव डीएस मिश्रा 15 दिसंबर को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट साइट पर समन्वय समिति की बैठक करेंगे। इसमें एयरपोर्ट परियोजना से जुड़े केंद्र व राज्य सरकार के विभागों के अधिकारी के अलावा विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के अधिकारी भी शामिल होंगे।

एयरपोर्ट के संचालन के लिए सुरक्षा से लेकर विभिन्न विभागों के लिए स्थान उपलब्ध कराने, विभागीय अनापत्ति, कनेक्टिविटी के लिए हो रहे कार्यों की जानकारी के साथ ही एयरपोर्ट के निर्माण कार्य का निरीक्षण करेंगे। यमुना प्राधिकरण के औद्योगिक सेक्टर 32 में विकसित किए जा रहे औद्योगिक पार्कों के निरीक्षण के अलावा प्राधिकरण कार्यालय में समीक्षा बैठक भी करेंगे।

'बिना विरोध के बुरी तरह पीटा, विरोध करता तो जान से मार देते...', गाजियाबाद में व्यापारी से गनप्वाइंट पर लूट

घटना वाली रात वह क्रासिंग रिपब्लिक में रहने वाले परिचित सौरभ से मिलने कविनगर औद्योगिक क्षेत्र में आए थे। रात करीब आठ बजे वह सौरभ से मिले ही थे कि तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने गेट नहीं खोला तो चालक सीट का शीशा तोड़कर उनकी कनपटी पर पिस्टल लगा दी। तीनों बदमाशों के हाथ में पिस्टल थी। इसके बाद व्यापारी के साथ बुरी तरह मारपीट की गई।

गाजियाबाद। कविनगर से मंगलवार रात व्यापारी से गनप्वाइंट पर हुई लूट मामले में पीड़ित व्यापारी ने आपबीती बताई है। इंदिरापुरम की एटीएस सोसायटी निवासी व्यापारी निशांत का कहना है कि उनका चांदनी चौक में आभूषण का काम है। घटना वाली रात वह क्रासिंग रिपब्लिक में रहने वाले परिचित सौरभ से मिलने कविनगर औद्योगिक क्षेत्र में आए थे। रात करीब आठ बजे वह सौरभ से मिले ही थे कि तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया।

शीशा तोड़कर कनपटी पर लगी दी पिस्टल

उन्होंने गेट नहीं खोला तो चालक सीट का शीशा तोड़कर उनकी कनपटी पर पिस्टल लगा दी। तीनों बदमाशों के हाथ में पिस्टल थी। इसके बाद व्यापारी के साथ बुरी तरह मारपीट की गई। उन्हें डर था कि कहीं कुछ बोलते ही उन्हें गोली मार दी जाएगी। बदमाशों ने निशांत और सौरभ को कार में पीछे डाला और कार तेजी से लेकर फरार हो गए। व्यापारी का कहना है कि उन्हें नहीं पता बदमाशों ने क्या रूट लिया, लेकिन उनसे पहले कहीं सौरभ को कार से उतार दिया फिर उन्हें ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर बागपत वाली लेन पर फेंक कार लूटकर फरार हो गए। पीड़ित किसी तरह वह एक टेंपो चालक से लिफ्ट लेकर घर आए फिर पुलिस के पास पहुंचे। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि पीड़ित का साथी सौरभ को बदमाशों ने पहले ही उतार दिया था, लेकिन उन्होंने पुलिस को सूचना नहीं दी। अपने किसी परिचित को गाड़ी लेकर बुलाया और पहले घटनास्थल पर आकर अपनी कार लेकर घर चले गए।

महिला की हत्या करके फेंकी गई थी लाश, पुरुष कंकाल को पहचानने के लिए पुलिस उठाएगी ये कदम

सहरावन गांव के पास सोमवार सुबह अरावली पहाड़ी पर महिला के कंकाल मिलने के मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। वहीं दुष्कर्म की पुष्टि पोस्टमॉर्टम और एफएसएल की जांच के बाद हो पाएगी। आईएमटी मानेसर थाना पुलिस ने आसपास के थानों में संपर्क कर मिसिंग रिपोर्ट का डाटा भी लिया है। सहरावन गांव के चौकीदार पवन की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज किया गया है।

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। सहरावन गांव के पास सोमवार सुबह अरावली पहाड़ी पर महिला के कंकाल मिलने के मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। वहीं, दुष्कर्म की पुष्टि पोस्टमॉर्टम और एफएसएल की जांच के बाद हो पाएगी। आईएमटी मानेसर थाना पुलिस ने आसपास के थानों में संपर्क कर मिसिंग रिपोर्ट का डाटा भी लिया है।

बता दें कि सहरावन गांव के चौकीदार पवन की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज किया गया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि सोमवार सुबह सहरावन गांव की कुछ महिलाएं जलावन के लिए सबसे ऊंची पहाड़ी पर लकड़ियां लेने गई थीं। इसी दौरान उन्हें एक 25 वर्षीय महिला का कंकाल पड़ा दिखाई दिया।

महिला की नहीं हो पाई पहचान

उनकी सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने कंकाल से थोड़ी दूरी पर महिला के कपड़े गुलाबी रंग की टी-शर्ट, नीले रंग का लोवर और काले रंग का दुपट्टा बरामद किया। अभी महिला की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं कंकाल से किसी प्रकार के जेवर भी बरामद नहीं हुए।

ऐसे में महिला से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की आशंका जताई गई थी। फिलहाल आईएमटी मानेसर थाना पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगा कि महिला की मौत कैसे हुई।

दूसरी ओर पुरुष के कंकाल मिलने के मामले में अभी तक किसी प्रकार का केस दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस 174 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई कर रही है।

आईएमटी मानेसर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवेंद्र मान ने कहा कि वह कंकाल मिलने के मामले में विज्ञापन प्रकाशित करवाकर पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। जहां पर पुरुष का कंकाल मिला, यहां पर नशेड़ी व्यक्ति ज्यादा जाते हैं। यह एरिया सूनसान है। फिलहाल दोनों ही मामलों में जांच की जा रही है।

पहाड़ हो या मैदान, इमरजेंसी में एंबुलेंस ही नहीं अब सीधा पहुंचेगा अस्पताल; एक साथ 200 लोगों का होगा उपचार

पहाड़ हो या मैदान अब कहीं भी आपदा के समय जीवन बचाना आसान होगा। आपदा स्थल पर 40 मिनट के भीतर आवश्यक सुविधाओं से युक्त पोर्टेबल अस्पताल तैयार हो जाएगा जिसमें 72 घंटे तक 200 लोगों का उपचार किया जा सकता है। इस स्वदेशी अस्पताल के विभिन्न हिस्सों को हेलीकॉप्टर या विमान से आपदा स्थल पर पहुंचाया जा सकता है।

गुरुग्राम। पहाड़ हो या मैदान, अब कहीं भी आपदा के समय जीवन बचाना आसान होगा। आपदा स्थल पर 40 मिनट के भीतर आवश्यक सुविधाओं से युक्त पोर्टेबल अस्पताल तैयार हो जाएगा, जिसमें 72 घंटे तक 200 लोगों का उपचार किया जा सकता है। इस स्वदेशी अस्पताल के विभिन्न हिस्सों को हेलीकॉप्टर या विमान से आपदा स्थल पर पहुंचाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की पहल पर एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड ने आरोग्य मैत्री भीष्म क्यूब नामक इस पोर्टेबल अस्पताल का डिजाइन तैयार किया है।

गोल्डेन आ वर होता महत्वपूर्ण

आपदा आने के कुछ घंटे के भीतर यानी गोल्डेन आवर में उपचार शुरू न होने से ही अधिकतर घायलों की मौत होती है। तत्काल इलाज से काफी लोगों की जान बचाई जा सकती है। डिजाइन में 72 क्यूब को जोड़कर एक पोर्टेबल अस्पताल कहीं भी तैयार किया जा सकेगा। प्रत्येक क्यूब का वजन लगभग 20 किलो होगा। इससे सभी क्यूब को एक साथ कहीं भी उठाकर ले जाना आसान होगा। क्यूब के साथ ही एक्स-रे मशीन, एमआरआइ, वेंटिलेंटर, पावर जेनरेटर सहित सभी आवश्यक सुविधाएं जुड़ी होंगी। इससे 36 क्यूब जोड़कर भी 100 लोगों के लिए अस्पताल तैयार किया जा सकता है, लेकिन उसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकेंगी।

एनडीआरएफ से लेकर सेना को उपलब्ध होगी सुविधा

पोर्टेबल अस्पताल बनाने के लिए क्यूब्स एनडीआरएफ से लेकर सेना को उपलब्ध कराए जाएंगे। कहीं भी आपदा आने पर एनडीआरएफ से लेकर सेना को लगाया जाता है। आपदा आने पर सबसे पहला काम फंसे लोगों को निकालना होता है। लोगों को निकालकर एंबुलेंस या किसी अन्य माध्यम से अस्पताल तक पहुंचाया जाता है। इस प्रक्रिया में कई बार काफी देर हो जाती है। रक्तस्राव अधिक होने से कई घायलों की मौत हो जाती है। ऐसे में यदि मौके पर अस्पताल की सुविधा उपलब्ध हो जाए तो घायलों का जीवन बच जाएगा।

हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना राजनीतिक

ललित गर्ग

गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है। भारतीय गोवंश को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए उन्हें 'गौमाता' कहते है, हमारे शास्त्रों में गाय को पूजनीय बताया गया है। हमारी माताएं बहनें रोटी बनाती हैं तो सबसे पहली रोटी गाय को ही देती हैं।

तीन राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं शानदार जीत से इंडिया गठबंधन के विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। इसी बौखलाहट का नतीजा है तमिलनाडु की सत्ताधारी दल डीएमके पार्टी के सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार के द्वारा संसद में हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना। उनके ऐसा बोलते ही संसद से लेकर बाहर के राजनीतिक गलियारों में हंगामा खड़ा हो गया। भाजपा ने सेंथिलकुमार के इस बयान का विरोध किया तो सांसद ने माफी मांग ली और लोकसभा की कार्यवाही से उनका बयान अब हटा दिया गया है। साथ ही कांग्रेस ने भी उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को धुंधलाने एवं झुठलाने के ये षड्यंत्र राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की बड़ी बाधा है।

गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है। भारतीय गोवंश को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए उन्हें 'गौमाता' कहते है, हमारे शास्त्रों में गाय को पूजनीय बताया गया है। हमारी माताएं बहनें रोटी बनाती हैं तो सबसे पहली रोटी गाय को ही देती हैं। गाय का दूध अमृत तुल्य होता है। न केवल गाय का दूध बल्कि समस्त गौ-उत्पाद भी अमूल्य है। इन दिव्य अमृत पंचगव्य का उपयोग यज्ञ, आध्यात्मिक अनुष्ठानों, बीमारी से निजात पाने और संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए किया जाता है। इसलिये गौमाता को आधार बनाकर भाजपा की जीत पर हमला करने की यह कुचेष्टा न केवल मानसिक दिवालियापन है बल्कि इससे भारत की जनभावनाएं आहत एवं लहूलुहान हुई है। गौमाता पर की गयी यह टिप्पणी एक सम्पूर्ण परम्परा एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा है। ऐसी कुचेष्टाएं एवं साजिशें पूर्व में भी हुई हैं। तब भी गौमाता की तरह ही सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानों से देश को तोड़ने का षड्यंत्र हुआ। तब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विवादास्पद बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगी, मच्छर, मलेरिया और कोविड से करते हुए असंख्य सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात किया था। उनकी ही पार्टी डीएमके के सांसद ए. राजा ने तो हदें ही लांघते हुए हिंदू धर्म को 'न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अभिशाप तक कह दिया था।' इन डीएमके नेताओं के बयानों से जब विवाद संभला नहीं तो उन्होंने सफाई दी, माफी मांग ली। अपनी कही बातों से किनारा पाने की इस बार भी पूर्व की तरह चेष्टा हुई, ये स्थितियां भारतीय राजनीति की विडम्बना एवं विसंगति है। कांग्रेस की हार का कारण ऐसी विसंगतियां ही बनती रही हैं। प्रश्न है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी क्या उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं? तीन राज्यों में से दो राज्यों- राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में ही इन चुनावों से पहले उसी की सरकारें थीं। क्या हिन्दी राज्यों का अपमान एवं तिरस्कार करते हुए कांग्रेस आगे बढ़ने की सोच भी सकती है? कांग्रेस कब तक देश को विघटित करने की राजनीति करती रहेगी? क्योंकि कांग्रेस के दबदबे वाली इंडिया गठबंधन में भी डीएमके एक अहम साझेदार है।

उत्तर भारत मे 'गौमाता' पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से कांग्रेस को किनारा करना, उसकी सूझबूझ एवं विवेक से ज्यादा विवशता है। यही कारण है महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मिलिंद देवड़ा ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जताई और इसे अफसोसजनक बताया। उन्होंने खुद को सनातनी कहा है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने भी कहा कि डीएमके की राजनीति अलग है। कांग्रेस उनकी राजनीति से सहमत नहीं है। कांग्रेस 'सनातन धर्म' और 'गौमाता' में भी विश्वास करती है।' क्या कांग्रेस का यह विश्वास सच्चा विश्वास है या वोट हासिल करने का हथियार मात्र है। इंडिया गठबंधन से जुड़े एक खास दल ने सनातनी परंपरा एवं हिन्दू भाषी राज्यों का बहुत बड़ा निरादर किया है। सनातनी परंपरा, सनातनियों एवं हिन्दू राज्यों का इस तरह का अपमान देश कैसे बर्दाश्त करेगा? निश्चित ही देश की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले दलों एवं नेताओं को जनता मुंहतोड़ जवाब देती है और देती रहेगी। आखिर सवाल यह भी है कि हिंदी या हिंदी भाषी राज्यों के विरोध में डीएमके पार्टी एवं उसके नेता किस हद तक गिरेंगे। हिंदी भाषी राज्यों को लेकर मन में यह दुराग्रह से आखिर क्या हासिल होने वाला है। इससे फायदे की जगह नुकसान ही होता है। डीएमके नेता सीधे-सीधे हिंदी भाषी प्रांतों में रहने वाले लोगों का अपमान कर रहे हैं। भाजपा की जीत जनभावनाओं की जीत है और जीत का यह विजय रथ हिन्दी भाषी राज्यों के साथ-साथ दक्षिण भारत में भी विजय-पताका फहराते हुए आगे बढ़ रहा है। तेलगांना में भाजपा एक सीट से 8 तक आगे बढ़ी है, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भाजपा अपने होने का अहसास करा रही है, कोई आश्चर्य नहीं कि वहां पैर जमाते हुए भाजपा की सरकारें भी बनने लगें। कर्नाटक में तो उसने लम्बे समय तक शासन किया है। तीन राज्यों की ऐतिहासिक जीत से भाजपा का मनोबल जहां बढ़ा है वहीं इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस का मनोबल गिरा है। भाजपा एवं मोदी की सोच, नीतियां, योजनाएं एवं दृष्टिकोण की जीत पर विपक्षी दलों की ये ओछी प्रतिक्रियाएं उसे अधिक बलशाली ही बनायेगी। आदिवासी विकास का संकल्प, महिलाओं की भूमिका और 33 प्रतिशत आरक्षण का आश्वासन, समान नागरिक संहिता, सांस्कृतिक मूल्यों का विकास, युवाओं के लिये रोजगार, विश्वगुरु बनाने की कार्ययोजना, देश की सुरक्षा एवं साख जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक उपक्रम का मोदी ही दम रखते जान पड़ते हैं। देश को आगे बढ़ाना है तो तुष्टीकरण, धर्म एवं संस्कृति को आहत करने की विकृत मानसिकता और भ्रष्टाचार से मुक्त होना आवश्यक है। मोदी ही गारण्टी की गारण्टी है, लेकिन इसमें अहंकार नहीं है, मोदी ने अपनी जगह पार्टी एवं देश की जनता को ही प्रमुखता दी, देश की जनता को हमेशा आगे रखा है। उन्होंने चुनावी सभाओं में साफ कहा कि पार्टी का चेहरा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि कमल का फूल है, साफ-सुथरी नीतियां हैं, देश को सशक्त बनाने का संकल्प है। निश्चित ही इस बार के चुनाव परिणाम सनातन भारत को मजबूती देने वाले हैं, सनातन का अर्थ सच्चा भारत, सच्ची मानवीयता एवं उदात्त जीवन मूल्य। यही कारण है कि इसी सनातन के शिखर गौमाता को आधार बनाकर डीएमके पार्टी ने अपनी बौखलाहट को उजागर कर राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाया है।

भारतीय न्याय व्यवस्था ने भी समय-समय पर ऐसे विवादास्पद एवं आपत्तिजनक मामलों में कहा है कि जब धर्म एवं आस्था को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध्यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। गौमाता एवं सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है। वोट बैंक एवं तथाकथित राजनीति स्वार्थों के लिए आक्रामक भाषा का इस्तेमाल देश के लिए घातक है। इस तरह के आधारहीन विवादों को उछालने वाले डीएमके पार्टी जैसे राजनीतिक दल एवं नेता उजालों पर कालिख पोतने का ही प्रयास करते हैं। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक सोच से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे समाज एवं राष्ट्र को तोड़ने वाली कुचेष्ठाएं करने वालों की आंखों में किरणें आंज दी जाएं तो भी वे यथार्थ को नहीं देख पाते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। तरस आता है समाज में बिखराव करने वाले ऐसे लोगों की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबन्द लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर सागर की यात्रा करना चाहते हैं।

नई कार खरीदने से पहले, यहां देखें पेट्रोल और सीएनजी दोनों में शानदार माइलेज देने वाली गाड़ियों की लिस्ट

आज हम आपके लिए अच्छी माइलेज देने वाली गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। Maruti Suzuki Celerio में K10C डुअलजेट 1.0-लीटर थ्री-सिलिंडर पेट्रोल इंजन मिलता है। इसमें स्टार्ट और स्टॉप का सिस्टम मिलता है। Maruti Suzuki Alto 800 मारुति की सबसे अधिक बिकने वाली कार है। इसमें रियर पार्किंग सेंसर्स ABS के साथ EBD फीचर मिलता है।

दिल्ली। भारतीय बाजार में कई दमदार गाड़ियां मौजूद है। क्या आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए अच्छी माइलेज देने वाली गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। चलिए देखते हैं ये सीएनजी और पेट्रोल में कितना माइलेज देती है।

Maruti Suzuki Celerio

इस कार में K10C डुअलजेट 1.0-लीटर थ्री-सिलिंडर पेट्रोल इंजन मिलता है। इसमें स्टार्ट और स्टॉप का सिस्टम मिलता है। इसका इंजन 66 hp का पावर और 89 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसे 5 स्पीड मैनुअल और 5 स्पीड एमटी गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें कई दमदार फीचर्स भी मिलते हैं। कार के अंदर डुअल एयरबैग्स, ABS के साथ EBD, हिल होल्ड असिस्ट के साथ कुल 12 सेफ्टी फीचर्स भी मिलते हैं। पेट्रोल में ये कार 25.24 km/L तक का माइलेज देती है। इसके साथ ही ये सीएनजी में 35.60km/kg का माइलेज देती है।

Maruti Suzuki Wagon R

भारतीय बाजार में वैगनआर सबसे अधिक बिकने वाली कार में से एक है। ये एक 1.0 लीटर और 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आती है। सीएनजी में ये कार 34.05km/kg का माइलेज देती है और ये कार पेट्रोल में 24.35 Km/l का माइलेज देती है। इसमें कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम, स्पीड अलर्ट सिस्टम, सिक्योरिटी अलार्म, फ्रंट फॉग लैंप, बजर के साथ सीट बेल्ट रिमाइंडर, सीट बेल्ट प्री-टेंशनर और फोर्स लिमिटर, स्पीड सेंसिटिव ऑटो डोर लॉक, हिल होल्ड असिस्ट (स्टैंडर्ड), डुअल एयरबैग्स (स्टैंडर्ड), रियर पार्किंग सेंसर, एबीएस के साथ ईबीडी मिलता है।

Maruti Suzuki Alto 800

ऑल्टो भारत में आपको हर गली में मिल जाएगी। ये मारुति की सबसे अधिक बिकने वाली कार है। ये कार सीएनजी मोड पर 31.59km/kg का माइलेज देती है। इसका इंजन 41 पीएस की पावर और 60 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है। ये एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले से कनेक्ट होता है। इसमें ड्राइवर साइड एयरबैग, रियर पार्किंग सेंसर्स, ABS के साथ EBD फीचर मिलता है।

Maruti Suzuki Dzire

मार्केट ये एक सब 4 मीटर कॉम्पैक्ट सेडान है। ये कार सीएनजी में 31.12km/kg का माइलेज देती है। इसमें 1.2 लीटर K12C डुअल जेट इंजन है जो 76 बीएचपी और 98.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करती है। इसमें 7-इंच स्मार्टप्ले टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्राइड ऑटो, एपल कारप्ले और मिरर लिंक मिलता है। इसके साथ ही इसमें स्टीयरिंग व्हील, रियर एसी वेंट्स, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, इलेक्ट्रिक एडजस्टेबल ORVM और 10 स्पोक 15-इंच के अलॉय व्हील्स भी मिलते हैं। इसमें सेफ्टी के तौर पर डुअल फ्रंट एयरबैग्स, EBD के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ABS), ब्रेक असिस्ट, व ISOFIX चाइल्ड सीट माऊंट जैसे फीचर्स मिलते हैं।

रिवर्स में स्पीड पकड़कर बना डाला गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम, 20 साल पुराना टूटा रिकॉर्ड

Fastest car moving backwards रिमेक नेवरा ने हाल के दिनों में 20 साल पुराने सबसे तेज एक्सीलरेशन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।इस कार का नाम Rimac Nevera (रिमेक नेवेरा) है इसमें एक 120 किलोवाट की बैटरी पैक है। ये 1914 hp और 2340 Nm का टॉर्क जेनरेट करती है।इसकी टॉप स्पीड 412 किमी प्रति घंटा है। इसमें एक डेडिकेटेड इलेक्ट्रिक मोटर जो उसी हिसाब से टॉर्क जेनरेट करता है।

नईदिल्ली। आज हम आपको एक ऐसी कार के बारे में बताने जा रहे हैं जो इलेक्ट्रिक है जिसने 20 साल पुराने सबसे तेज एक्सीलरेशन रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। ये खबर काफी दिलचस्प होगी। इस कार का नाम Rimac Nevera (रिमेक नेवेरा) है, तो चलिए अब आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

Rimac Nevera (रिमेक नेवेरा)

Rimac Nevera (रिमेक नेवेरा) एक ऐसी कार जो रिकॉर्ड तोड़ने के लिए ही जानी जाती है। इस कार के लिए 275.74 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चलना इस इलेक्ट्रिक सुपरकार के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन इसमें भी एक दिलचस्प बात है इस कार ने स्पीड उल्टी दिशा यानी टेक्निकल भाषा में कहे तो रिवर्स में चलाते समय कार ने ये स्पीड पकड़ी।

इस कार का रिकॉर्ड तोड़ा

आपकी जानकारी के लिए बता दें, रिमेक नेवरा ने हाल के दिनों में 20 साल पुराने सबसे तेज एक्सीलरेशन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। ये कामयाबी कार ने हासिल की तो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने नेवेरा को रिवर्स ड्राइव स्प्रिंट में 275.74 किमी प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ने के बाद आधिकारिक तौर पर यह खिताब दिया। इस कार ने Caterham 7 Fireblade (कैटरम 7 फायरब्लेड) द्वारा 165.08 किमी प्रति घंटे का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और इस कार का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

कार की फास्ट स्पीड

आपको जानकर हैरानी होगी कि रिमेक नेवेरा में कोई गियर नहीं है और ये चार अलग-अलग मोटर जरा सी भी इलेक्ट्रिक रुकावट के बिना या तो पीछे या तो आगे की ओर चलती है। ये कार 1.81 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ सकती है, चाहे कार आगे चल रही हो या पीछे। ये कार 4.42 सेकेंड में 0 से 200 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ सकती है और रिवर्स में भी।

इंजन

इस कार के इंजन की बात करें तो इसमें एक 120 किलोवाट की बैटरी पैक है। ये 1,914 hp और 2,340 Nm का टॉर्क जेनरेट करती है। इसकी टॉप स्पीड 412 किमी प्रति घंटा है। इसमें एक डेडिकेटेड इलेक्ट्रिक मोटर जो उसी हिसाब से टॉर्क जेनरेट करता है।

7 सीटर कार खरीदने की कर रहे हैं तैयारी, थोड़ा और कर लीजिए सब्र! 2024 में आने वाली हैं ये धांसू गाड़ियां

आज हम आपके लिए 2024 में आने वाली 7 सीटर गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। Hyundai Alcazar को कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये कार कई अपडेट फीचर्स के साथ आने वाली है। इसके साथ ही Nissan X-Trail नई ई पावर रेंज एक्सटेंड तकनीक और एक्स-ट्रेल के माध्यम से मार्केट में आ सकती है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई दमदार कारें मौजूद है। अगर आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आने वाले दिनों में कई गाड़ियां लॉन्च होने वाली है। क्योंकि आज हम आपके लिए 2024 में आने वाली 7 सीटर गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। चलिए देखते हैं इनमें क्या कुछ खास है और ये कब तक लॉन्च होंगी।

Hyundai Alcazar

Hyundai Alcazar को कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये कार कई अपडेट फीचर्स के साथ आने वाली है। इसमें पिछले मॉडल के मुकाबले कई कॉस्मेटिक बदलाव होने वाला है। इंटीरियर में लेवल 2 ADAS मिल सकता है। Alcazar को पहले की तरह नए 1.5 लीर पेट्रोल मिल के साथ सेल किया जाएगा।

Nissan X-Trail

आपकी जानकारी के लिए बता दें, नई निसान एक्स-ट्रेल ने पिछले साल नई दिल्ली में ही अपनी शुरुआत की थी। इसकी रोड टेस्टिंग कई बार की गई है। ये कार यूरोप में 5 और 7 सीट के ऑप्शन में आती है। ये नई ई पावर रेंज एक्सटेंड तकनीक और एक्स-ट्रेल के माध्यम से मार्केट में आ सकती है।

5-Door Force Gurkha

फोर्स मोटर्स भारतीय बाजार में जल्द लॉन्च हो सकती है। इसे कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये एक ऑफ रोड कार होगी। ये महिंद्रा थार और जिम्नी को टक्कर देगी। ये कार अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है।

5 Door Mahindra Thar

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी जिम्नी को टक्कर देने के लिए महिंद्रा 5 डोर थार को जल्द ही लॉन्च करेगी। इस एसयूवी का व्हीलबेस काफी लंबा होगा इतना ही नहीं ये 3 डोर वाली थार से कई दमदार फीचर्स से लैस होगी। लेकिन डिजाइन में मामूली बदलाव ही होगा।

Mahindra Bolero Neo Plus

महिंद्रा की एक और गाड़ी मार्केट में अगले साल तक लॉन्च होने वाली है। आने वाले महीनों में बोलेरो नियो प्लस लॉन्च करेगी। इसे TUV300 प्लस का नए वेरिएंट के कई सिंटिग लेआउट में सेल किया जाएगा। यह 2.2L चार-सिलेंडर टर्बो डीजल इंजन से लैस होगी। इसे 6 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।

महिंद्र बोलेरो न्यू को खरीदने का शानदार मौका, एसयूवी पर बंपर छूट; 99,500 रुपये तक की होगी बचत

वाहन निर्माता कंपनी अपनी एसयूवी पर बंपर छूट दे रही है। बोलेरो नियो जिसकी डिमांड गांव से लेकर शहर तक में अधिक है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो अपने करीबी शोरूम पर जाकर इसके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें फीचर्स के तौर पर ड्राइवर आर्मरेस्ट मिडिल-रो सेंटर आर्मरेस्ट इलेक्ट्रिक एडजस्ट विंग मिरर मिलता है।

दिल्ली। देश में त्यौहारी सीजन आ चुका है, ऐसे में अगर आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो महिंद्रा आपको शानदार मौका दे रही है। वाहन निर्माता कंपनी अपनी एसयूवी पर बंपर छूट दे रही है। बोलेरो नियो जिसकी डिमांड गांव से लेकर शहर तक में अधिक है। वर्तमान में कंपनी ने एसयूवी को कुल चार वेरिएंट्स N4, N8, N10 और N10(O) में पेश किया है, जिसकी कीमत 9.64 लाख रुपये से शुरू होती है।

Mahindra Bolero Neo वेरिएंट वाइज ऑफर

महिंद्रा बोलेरो नियो पर वेरिएंट वाइज छूट-N4 पर कंपनी कुल 59 हजार रुपये तक की छूट दे रही है। वहीं इसके N8 पर 64,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। N10 पर 99,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। इतना ही नहीं इसके N10(O) पर कंपनी 99,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, ये ऑफर 30 नवंबर तक की वैलिड है। ये ऑफर कोलकाता, पश्चिम बंगाल और सिक्किम क्षेत्र में ही सीमित है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो अपने करीबी शोरूम पर जाकर इसके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

Mahindra Bolero Neo इंजन

इंजन की बात करें तो बोलेरो नियो बीएस 6 चरण 2-अनुपालक 1.5-लीटर डीजल इंजन के साथ आता है। इसे पांच -स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के माध्यम से पीछे के व्हील पर पावर भेजी जाती है। जो 100bhp और 260Nm का टॉर्क जनरेट करता है। ये ऑफ रोडिंग के लिए काफी बेहतर है।

Mahindra Bolero Neo फीचर्स

इसमें फीचर्स के तौर पर स्टैटिक बेंडिंग हेडलैंप, एलईडी डीआरएल, अलॉय व्हील, 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ड्राइवर सीट हाइट एडजस्ट, ड्राइवर और को-ड्राइवर आर्मरेस्ट, मिडिल-रो सेंटर आर्मरेस्ट, इलेक्ट्रिक एडजस्ट विंग मिरर मिलता है। क्रूज़ कंट्रोल और आइसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकर भी इस एसयूवी के टॉप मॉडल में देखने को मिल जाता है।

जनसंख्या : समस्या अथवा वरदान

पीके खुराना

जनसंख्या के लिहाज से भारतवर्ष विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है। आबादी के आकार की बात करें तो हमारा देश अमरीका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांग्लादेश और जापान की सम्मिलित आबादी के बराबर है और पिछले 10 वर्षों में हमारे देश की जनसंख्या में एक पूरे देश ब्राजील की जनसंख्या और जुड़ गई है।

ऐसे में बढ़ती आबादी का बड़ा हिस्सा बेरोजगार, अर्धशिक्षित अथवा अशिक्षित तथा साधनहीन होगा। इस स्थिति को न बदला गया तो बढ़ती आबादी सचमुच अभिशाप बन जाएगी। स्थिति को बदलने के लिए सबसे पहले कस्बों और गांवों में इन्फ्रास्ट्रक्चर के तेज विकास के लिए काम करना होगा, उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवानी होंगी तथा उन्हें रोजगारपरक उद्यमिता की शिक्षा देनी होगी। कंज्यूमर गुड्स कंपनियों को आज ग्रामीण भारत में बड़ा बाजार नजर आ रहा है। इस बाजार को बढ़ाने के लिए यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान उनके अपने हित में है। विभिन्न सरकारें भी इस ओर ध्यान दें तो समाज में असमानता नहीं होगी तथा सामाजिक विघटन का खतरा नहीं रहेगा। हमारी अधिकांश आबादी कामकाजी होगी तो गरीबी मिटेगी, देश समृद्ध होगा और उसके कारण भी इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा। हमें गरीबी और विकास के बीच चुनाव करना है'

जनसंख्या के लिहाज से भारतवर्ष विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश है। आबादी के आकार की बात करें तो हमारा देश अमरीका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांग्लादेश और जापान की सम्मिलित आबादी के बराबर है और पिछले 10 वर्षों में हमारे देश की जनसंख्या में एक पूरे देश ब्राजील की जनसंख्या और जुड़ गई है। जनसंख्या बढने का मतलब है कि हमें ज्यादा लोगों के शिक्षा के साधन, रोजगार, खाना और रहने के लिए मकान चाहिएं। हमारे देश में बहुत सी समस्याएं हैं, जनसंख्या की समस्या उनमें से बहुतों का मूल है, पर यह भी सच है कि ज्यादा आबादी के कारण आज हम लाभ की स्थिति में भी हैं। भारतवर्ष में 15 वर्ष से 59 वर्ष के लोगों की वृद्धि का अनुपात आबादी की वृद्धि के अनुपात से अधिक है और यह स्थिति 2030 तक बने रहने की उम्मीद है। यह वह आबादी है जो काम में लगी है अथवा काम में लगाई जा सकती है। ऐसी जनसंख्या वाला भारत एकमात्र विकासशील देश है। आज हमारे सामने सवाल यह है कि जनसंख्या के इस वर्ग को काम में लगाकर हम इसे अपने लिए वरदान बना लेंगे या फिर राजनेताओं की थोथी बयानबाजी और अपनी खुद की लापरवाही, अकर्मण्यता तथा अज्ञान के कारण बढ़ती आबादी को अपने लिए अभिशाप बना लेंगे तथा वर्तमान से भी ज्यादा गरीबी तथा साधनहीनता की स्थिति में पहुंच जाएंगे। हमारे सामने यह एक बड़ी चुनौती है, और यही एक बड़ा अवसर भी है।

फ्रेंच पोलिटिकल साइंटिस्ट क्रिस्टोफर ज़ैरफरेलो दक्षिण-पश्चिम एशिया मामलों के विशेषज्ञ हैं और भारत-पाकिस्तान पर उनकी खास पकड़ है। उनकी संपादित पुस्तक 'इंडिया सिंस 1950 : सोसाइटी, पॉलिटिक्स, इकोनोमी एंड कल्चर' में भारत का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विश्लेषण किया गया है। इसी पुस्तक के अध्याय 'इंडिया 2025' के अनुसार भारतवर्ष उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक संभावनाओं वाला देश है। यहां न सिर्फ राजनीतिक स्थिरता है, बल्कि यहां लोकतंत्र के साथ बाजार आधारित अर्थव्यवस्था भी है। हालांकि भारत की विकास दर यदा-कदा ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी है, लेकिन पिछले दस वर्षों से यह 7-8 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। जीडीपी के लिहाज से 2025 तक हमारा देश अमरीका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा देश बन जाएगा। बचत और निवेश की अच्छी दर का भी भारत को लाभ मिलेगा और सन 2030 तक देश की उत्पादकता भी बढ़ती रहने के संकेत हैं। विद्वानों का मानना है कि उत्पादकता बढने के पांच मुख्य कारण हैं। एक, अर्थव्यवस्था में कृषि की जगह उद्योग और सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी में बढ़ोत्तरी, दो विश्व अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों की बढ़ती हिस्सेदारी, तीन बैंकिंग सेक्टर का आधुनिकीकरण, चार आईटी टूल्स का बढ़ता इस्तेमाल और पांच, संचार व परिवहन के साधनों का विकास। क्या भारतीय अर्थव्यवस्था इसी रफ्तार से आगे बढ़ सकती है? अगर हां, तो आने वाले वर्षों में इसके क्या सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिणाम होंगे? एक चुनौती तो स्पष्ट रूप से बढ़ती असमानता है। यह असमानता सिर्फ सामाजिक स्तर पर नहीं, बल्कि भौगोलिक स्तर पर भी है। ग्रामीण भारत आगे नहीं बढ़ रहा है। इससे ग्रामवासियों में शहरी मध्यवर्ग के मुकाबले गहरी हताशा पैठ सकती है और यह असंतोष माओवादियों अथवा ऐसे ही अन्य संगठनों के पक्ष में जा सकता है। हमारी चुनौती यह है कि आबादी को हम बोझ न बनने दें, बल्कि उसे परिसंपत्ति में परिवर्तित कर दें। माना जाता है कि भारत की आबादी इक्कीसवीं सदी के मध्य तक चीन को पार कर डेढ़ अरब हो जाएगी। साल 2025 तक कामकाजी वर्ग की आबादी में 25 करोड़ लोगों का इजाफा होगा। इसका अर्थ है कि भारत अन्य देशों के मुकाबले में युवा रहेगा और शायद वेतन भी कम रखने की स्थिति में होगा। इस वर्ग को परिसंपत्ति बनाने के लिए हमें शिक्षा सुविधाओं का तेज विकास करना होगा और नए रोजगार पैदा करने होंगे। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षा ऐसी हो जिससे कृषक वर्ग भी लाभान्वित हो सके। आबादी में हर साल एक करोड़ सत्तर लाख लोगों के जुडने का मतलब है कि खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें कृषि उत्पादन में सालाना 4 से 4.5 प्रतिशत तक की वृद्धि सुनिश्चित करनी होगी। उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में पिछले दस वर्षों में कृषि उत्पादन गिरा है। राष्ट्रीय स्तर पर गेहूं और चावल का उत्पादन स्थिर हो गया है। इससे प्रति व्यक्ति अनाज और दालों की उपलब्धता घटी है। इस स्थिति को बदलने की आवश्यकता है। कमजोर इन्फ्रास्ट्रक्चर एक अहम अड़चन है। सडक़ों और रेलों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है। ऊर्जा की स्थिति और भी संकटपूर्ण है। कोयले और तेल की बढ़ती खपत का संकट अलग से है। परिणामस्वरूप बिजली की कटौती जारी रहने की आशंका है। ऐसे में बढ़ती आबादी का बड़ा हिस्सा बेरोजगार, अर्धशिक्षित अथवा अशिक्षित तथा साधनहीन होगा। इस स्थिति को न बदला गया तो बढ़ती आबादी सचमुच अभिशाप बन जाएगी। स्थिति को बदलने के लिए सबसे पहले कस्बों और गांवों में इन्फ्रास्ट्रक्चर के तेज विकास के लिए काम करना होगा, उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवानी होंगी तथा उन्हें रोजगारपरक उद्यमिता की शिक्षा देनी होगी। कंज्यूमर गुड्स कंपनियों को आज ग्रामीण भारत में बड़ा बाजार नजर आ रहा है। इस बाजार को बढ़ाने के लिए यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान उनके अपने हित में है। विभिन्न सरकारें भी इस ओर ध्यान दें तो समाज में असमानता नहीं होगी तथा सामाजिक विघटन का खतरा नहीं रहेगा। हमारी अधिकांश आबादी कामकाजी होगी तो गरीबी मिटेगी, देश समृद्ध होगा और उसके कारण भी इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा। यह एक ऐसा सार्थक चक्र होगा जो देश को विकास की नई दिशा देगा और हमें विकसित देश बनने में मददगार साबित होगा। अगर हमने ऐसा न किया तो यह आबादी अभिशाप बन जाएगी, स्लम एरिया बढ़ेगा, चोरियां, हत्याएं और सभी तरह के अपराध बढ़ेंगे, गांवों का विकास नहीं होगा और शहरों का जीवन असुरक्षित हो जाएगा। हमें याद रखना चाहिए कि गरीबी और विकास के बीच चुनाव हमें करना है, परिणाम भी हम ही भुगतेंगे। बढ़ती जनसंख्या को रोकना होगा।

पीके खुरराना
हैपीनेस गुरु, गिन्नीज विश्व रिकार्ड

संपादक की कलम से

ईवीएम और 'गौमूत्र' राजनीति

ये कुंठित और घिसे-पिटे आरोप हैं। चुनावी जनादेश के बाद मतदान की ईवीएम को कोसना विपक्ष की फितरत रही है। उसके आरोप रहे हैं कि ईवीएम में चिप का इस्तेमाल किया जाता है, लिहाजा उसे 'हैक' किया जा सकता है। ऐसी दलीलें दी जाती रही हैं मानो देश भर की ईवीएम में भाजपा घुस कर बैठी है और वह जनादेश को पलट देती है। यह हमारे लोकतंत्र और करोड़ों मतदाताओं का अपमान भी है। दिसंबर, 1998 में 'जनप्रतिनिधित्व कानून' में संशोधन किया गया था और बैलेट पेपर के स्थान पर ईवीएम के जरिए मतदान करने की व्यवस्था लागू की गई थी। उसके बाद 2004 का लोकसभा चुनाव सबसे महत्वपूर्ण था, जिसमें करीब 17.5 लाख ईवीएम का इस्तेमाल किया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 'भारत उदय' नारे के बावजूद भाजपा चुनाव हार गई और कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष का गठबंधन बना-यूपीए। मई, 2014 तक उसने दो सत्ता-काल देखे। उस दौरान ईवीएम से ही मतदान कराए गए। कहीं विपक्ष जीता, तो कहीं भाजपा की सत्ता आई। आज भी देश के 18 राज्यों में भाजपा-एनडीए और 13 राज्यों में कांग्रेस, वाममोर्चा और साथी दलों की सरकारें हैं। हाल ही में तेलंगाना में कांग्रेस को जनादेश ईवीएम के जरिए ही प्राप्त हुआ है। राज्य के नए, कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बने हैं। इसके पहले कर्नाटक और हिमाचल में कांग्रेस जीती थी और वहां उसकी सरकारें काम कर रही हैं। जिन राज्यों-मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान-में कांग्रेस अब पराजित हुई है, वहां 2018 में उसे ही, ईवीएम के जरिए, जनादेश हासिल हुए थे। अब कांग्रेस नेताओं के अलावा, सपा, बसपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस आदि विपक्षी दलों ने भी ईवीएम में 'भाजपा के भूत' होने की कुंठित दलीलें दी हैं। विरोध सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि द्रमुक सांसद सेंथिल कुमार ने लोकसभा में ही बयान देकर जनादेश को 'उत्तर बनाम दक्षिण' करने की मंशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदी पट्टी के 'गौमूत्र' वाले राज्यों में ही चुनाव जीतती है।

हालांकि इस कथन को लोकसभा की कार्यवाही के रिकॉर्ड से बाहर कर दिया गया है, लेकिन यह अपमान कौन सहेगा? द्रमुक के नेताओं ने ही 'सनातन' के समूल नाश की बात कही थी और उसकी तुलना एड्स और कोढ़ जैसी बीमारियों से की थी। क्या ऐसी गालियां देना राजनीति के लिए जरूरी है? द्रमुक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का ही घटक-दल है। कांग्रेस के कई नेताओं ने द्रमुक सांसद के ऐसे बयान की भत्र्सना की है। माफी मांगने के आग्रह भी किए गए। अंततः सांसद को माफी मांगनी पड़ी, लेकिन ऐसा भाजपा-विरोध देश की 'विविधता में एकता' संस्कृति का अपमान और उल्लंघन है। सवाल है कि क्या ऐसी विभाजक राजनीति के जरिए ही 2024 का आम चुनाव जीता जा सकता है? क्या यह विभाजनकारी मानसिकता ही विपक्ष का नया राजनीतिक एजेंडा है? क्या देश में गौ, गंगा, गायत्री, गीता का अपमान बर्दाश्त किया जा सकता है? लोकतंत्र में जनादेश ही अंतिम निर्णय है। वह जनता का निर्णायक रुख है। उसी के आधार पर देश में, राज्यों में, उत्तर-दक्षिण-पूर्व-पश्चिम में सत्ताएं तय होती रही हैं। जहां तक ईवीएम का प्रश्न है, तो उससे जुड़े विवाद सर्वोच्च अदालत तक जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने भी सर्वदलीय निमंत्रण दिया था और मशीन में गड़बड़ी निकालने की चुनौती दी थी। उसे विपक्ष ने स्वीकार क्यों नहीं किया? अब भी संशय में डूबा विपक्ष या उनका कोई भी प्रतिनिधि उचित मंच में ईवीएम को चुनौती दे सकता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लिहाजा विपक्ष की गुत्थियों को सुलझाया जाएगा। ऐसे हर पराजित जनादेश के बाद अनर्गल अलाप करना व्यर्थ और बेमानी है।

राय

चुनाव के निगम

समाज में लोकतांत्रिक मूल्य और समुदाय में प्रदेश की छवि को निहारने के लिए स्थनीय निकाय अपने चुनावों के मार्फत मूल्यांकन करते रहते हैं और इसी कड़ी में नगर निगम मेयरों की नुमाइश में सियासी संस्कृति की घुसपैठ देखी जा सकती है। दरअसल जिस बिसात तक मेयर चुनने की तफतीश ले आए हैं, वहां मुद्दे नहीं मंडी के हिसाब से बिकने की नौबत आन खड़ी हुई है। आखिर जनता के पास अब तो इतना कौशल भी नहीं बचा कि वह योग्यता व दक्षता के आधार पर अपने लिए पार्षद चुन सके, तो मेयर चुनना उसके लिए एक अद्भुत लाटरी सरीखा हो गया। पार्षदों की संख्या में मेयर की बाजी अब विधायक के मत से दखलंदाजी हो गई या यही करिश्मा निगम को महज एक चुनाव बना रहा है। धर्मशाला नगर निगम में मेयर को तलाशती आंखें जब खुलती हैं, तो कांग्रेस के हाथ यह पद लग जाता है। पालमपुर अपने चिन्हित इरादों को कांग्रेस के सुपुर्द कर देता है, तो मंडी में भाजपा की वकालत पसर जाती है। अब शीर्षासन पर खड़ा सोलन नगर निगम कसरतें कर रहा है। कभी सूचना पर धुंध, तो कभी कोरम के दरवाजे छोटे पड़ जाते हैं। मेयर का चुनाव न हुआ सियासी जलजला हो गया। सोमवार की चुनावी प्रक्रिया अनुपस्थित हो गई, तो अब कोई चिडिया फिर खेत चुगने आएगी या पार्टियों के बाराती दूल्हा सजाएंगे। कांग्रेस अपने बहुमत के वजूद में आत्मविश्वास ढो पाती है या सात पार्षदों पर टिकी भाजपा की किश्ती में सपने ढोने का कोई बहाना मिल जाएगा। गुरुवार पुनः ताजपोशी एक मेयर की, न जाने कौन सी कहानी लिखेगी, वैसे मेहरबां तेरे कूचे आ के खड़े हैं-हैं नगर निगम के रथ पर बैठे विधायक भी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल गंभीरता से कटाक्ष करते हैं कि इतनी ही जरूरत है तो मेयर का पद विधायक को ही दे दिया जाए। बहरहाल हिमाचल का नागरिक समाज न तो गांव में खुद को बदल पा रहा है और न ही शहरी परिदृश्य में कुछ बदलाव का एहसास कर पा रहा है।

सियासत तो उसी सूरत में ढोल बजाती हुई निकल जाएगी, लेकिन शहर को समझने के लिए 'मेयर' का पद मजाक बन गया। हो सकता है और जैसी कि उम्मीद है वर्तमान सरकार भी कुछ और नगर निगम चुन लेगी, लेकिन क्या शहरी रूपरेखा में हिमाचल के पर्वतीय शहर जीना सीख लेंगे। पार्षद को ही मेयर बनाने की बाजी सियासी तौर पर एक कुशल अभिनय हो सकती है, लेकिन इससे शहरी उत्थान का विजन पैदा नहीं होगा। उदाहरण के लिए हमीरपुर में प्रस्तावित नगर निगम की सीमा लगभग दो दर्जन गांवों में घुसेगी, लेकिन इसके बदले मिलेंगे पंद्रह पार्षद और एक मेयर। क्या गांव को नई भूमिका में मेयर समझ पाएगा या दो दर्जन पंचायत प्रधान खोकर शहर का प्रबंधन बदल जाएगा। अंततः शहरी मॉडल को स्थापित करने के लिए दूरदृष्टि, संकल्प, कुशल प्रबंधन व नागरिक आचरण की जरूरत है। दिल्ली में शहरी मसलों पर हुए 'पर्वत मंथन' से यह तो स्पष्ट हुआ है कि कुछ अलग मानदंड से हिमालयी राज्यों के शहरीकरण को संबोधित करने की आवश्यकता है। पर्वतीय राज्यों में भी अब शहरी विकास की होड़ एक ओर नागरिक सुविधाओं की मांग कर रही है, जबकि दूसरी ओर शहर को व्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त संसाधनों की अपेक्षा रखती है। पर्वतीय शहर के खाके में पर्यावरणीय खतरे व समाधान के बीच सामंजस्य व अस्तित्व के लिए वनापत्तियों में कुछ छूट चाहिए। हिमाचल जैसे प्रदेश की संरचना में पर्यटन की अहमियत, शहरीकरण की हैसियत तथा जीवन शैली की कैफियत को समझते हुए टीसीपी कानून को सशक्त करना होगा। यह असाधारण प्रक्रिया के तहत होगा और इसके लिए शहरी मानसिकता में बदलाव की जरूरत है। कम से कम पांच नगर निगमों की परिपाटी में इतना तो परिवर्तन लाया जाए कि नागरिक समाज राजनीति से ऊपर उठकर ऐसे पार्षदों का चयन करे जो भविष्य के लिए काम कर सकें। कम से कम मेयर चुनावों ने यह बता दिया है कि नगर निगमों के भीतर भी सियासत के बेकार संदूक भरे हैं, जबकि पर्वतीय शहरीकरण को संबोधित करने के लिए खास विजन के लोग ही आगे आने चाहिएं।

नया युग है कि प्रवंचना युग?

आजकल इस देश की धरा वीरों से वंचित हो गई लगती है। लेकिन आजकल कुछ नए वीरों का पैदा हो जाना एक ऐसे बदलाव की ओर इशारा कर रहा है, कि जिसके कारण यह ऊर्जाहीन होती धरा सनसनीखेज खबरों से भर जाती है। गोदी मीडिया को पुचकार मिलती है। पहले वीरता के अभाव ने पूरे देश में अवसाद और बेचारगी को जन्म दे दिया था। अब लोग मास्क, नकाब पहनने की बात बहुत पीछे छोड़ आए हैं। वायरस के भय से कमरों में बंद होकर जीने की मजबूरी खत्म हुई। फिर भी बेकारी बढ़ रही है, महंगाई ने बंटाधार करना शुरू कर दिया। एक समय लगा था महामारी की विदाई बेला में लोग भी सच, हक और ईमानदारी के लिए अपनी खोई हुई वीरता को पुनः प्राप्त कर लेंगे। अपनी नागरिकता के अधिकार के साथ समय की सरकार से काम देने के अधिकार की मांग करेंगे। मृत्यु भय से छुटकारा पाना शुरू करने के बाद उत्पादन न होने पर भी चोर बाजारियों द्वारा पैदा की गई महंगाई का मुंह नोच लेंगे, और भ्रष्टाचार को आज के समाज से बहिष्कृत करके नैतिकता और आदर्शों को जिंदा करने की वीरता दिखाएंगे। लेकिन गंभीरता से समाज टटोला तो पाया कि ऐसा नया समाज बना सकने वालों की वीरता कब से दिवंगत हो गई। अब काम का अधिकार मांगने वाले राहतों, रियायतों और सस्ती साझी रसोइयों से निबटा दिए गए हैं। जरूरत महामारी से खंडित हो गए समाज को श्रम वीरता का अर्थ बड़बोलापन हो गया।

जो जितनी दूर की हांक सके, उतना ही बड़ा इस देश का नवनिर्माता। यूं दया धर्म का मूल है, दोहराने वाले बहुत से वाक्यवीर पैदा हो गए। कार्य संस्कृति की जगह राहत और रियायत उद्घोषक संस्कृति ने कुछ इस प्रकार जन्म लिया, कि पेट भरने के लिए भूखे, बेकार और बीमारी से उठे लोगों की कतारें दानवीरों के मुफ्त और रियायती जलपान गृहों के बाहर लगनी शुरू हो गईं। देश की सरकार की ओर किसी नयी कार्य संस्कृति की रूपरेखा के लिए देखा जा सकता है। महामारी का दबाव हटने के साथ इस नए सामान्य होते माहौल में उससे यह उम्मीद रखना बेजा भी नहीं था, लेकिन कार्य संस्कृति के साथ उद्यम और मेहनत की परेशानी जुड़ी होती है। इसके नतीजे भी हथेली पर सरसों जमने की तरह तत्काल नहीं आते। इसलिए ऐसा कंटकपूर्ण राह अपनाने के स्थान पर अब सरकारी दरीचों से घोषणावीरों की जमात पैदा हो गयी। अब सत्ता के मीनारों पर तो हर कोई कब्जा करना चाहता है। जो वहां जम कर बैठे हैं, वे सत्ता पक्ष हैं, जिसका लक्ष्य है जब तक जीवन, तब तक भोगो। और जब जीवन क्षीण हो, झुठलाने लगे तो अपनी कुर्सियों के सर्वाधिकार नाती-पोतों के नाम सुरक्षित करवा जाओ। लेकिन बाहर सडक़ पर ट्रैफिक जाम लगा मोर्चाबंद होता विपक्ष भी तो है।

वह सत्ता पर पुश्तैनी अधिकार मानने वाले इन महामानवों के नीचे से कुर्सी खींचने की फिराक में लगा रहता है। आजकल मुकाबला, संघर्ष की वीरता, महंगाई नियंत्रण, भ्रष्टाचार उन्मूलन या बेकार कांपते हाथों को काम देने में नहीं दिखाई जाती, बल्कि घोषणा संस्कृति का अभिषेक करते हुए और भी शेखचिल्ली होने में दिखाई जाती है। चुनाव करीब हों, और लोगों के मत लुभाने की चाहत हो तो यह बातों से आसमान में पैबंद लगाने की चाह और भी बढ़ जाती है। कोई नहीं कहता कि बेकार हाथों के लिए अब काम की गारंटी होगी। बस यही कहा जाता है कि किसी को अब भूखा न मरने देंगे। इसी की दिलासा मिलती है। महामारी से डरे हुए नौनिहालों के लिए नए शांति निकेतनों की स्थापना पर कोई बल नहीं देता। बस लोगों को बिना स्मार्ट फोनों के डिजीटल हो जाने का संदेश दिया जाता है। हम शिक्षा को मरने नहीं देंगे, के दावे किए जाते हैं, और प्रश्न उत्तर के आब्जैक्टिव सिस्टम की ऐसी परीक्षाएं ली जाती हैं कि जिसमें परिणाम सौ में से सौ प्राप्त करने वाले छात्रों का नया समूह पैदा करके निकलता है।

सुरेश सेठ

गहन विचार

सोशल मीडिया में अश्लीलता का दुष्प्रभाव

जिस प्रकार आज धड़ल्ले से फेसबुक सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लीलता परोसी जा रही है, वह भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है और भारत सरकार को निश्चित रूप से ऐसी साइट्स को तुरंत प्रभाव से ब्लॉक कर सख्त कानूनी प्रावधानों को समाज हित में लागू करना चाहिए

भारतीय संस्कृति में सदाचरण, चरित्र निर्माण, विनम्रता, प्रेम, दया, त्याग और आदर-सम्मान जैसे सद्गुणों को प्रमुखता दी जाती रही है। इसके बावजूद हमें कुपथगामी एवं दुराचारी लोगों के किस्सों की कथाएं आए दिन प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पढने, देखने और सुनने को मिलती रहती हैं, जिससे कहीं न कहीं यह भावना बलवती होती है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में संस्कारों, आदर्शों, मूल्यों और नैतिक आचरण को लेकर भरपूर मार्गदर्शन होने के बावजूद क्यों समाज के कुछ लोग पथभ्रष्ट होकर गलत कार्यों में संलग्न रहकर सामाजिक ताने-बाने को दूषित करने का प्रयास करते हैं? यह सच है कि इंटरनेट, गूगल और सोशल मीडिया के लाभों को आज नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आप यूट्यूब और गूगल सर्च इंजन से कैसी भी जानकारी तत्काल हासिल कर अपनी ज्ञान सुधा तृप्त कर सकते हैं। लेकिन इन्हीं माध्यमों पर उपलब्ध अश्लील सामग्री का आप क्या करेंगे?

फेसबुक की वीडियो वाली रील्स सेक्शन में गंदे और अश्लील वीडियो की भरमार है, उस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। सोशल मीडिया ने इसके उपयोगकर्ताओं को एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया है। इस माध्यम द्वारा आप लेखन कार्य, पारिवारिक गतिविधियों, अपनी उपलब्धियों, विशेष पारिवारिक समारोह के चित्रों/वीडियो को व्यक्तिगत रूप से सांझा कर सकते हैं और सार्वजनिक रूप से आम लोगों तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन सिक्के के दो पहलुओं की माफिक आजकल इंटरनेट और सोशल मीडिया के अच्छे बुरे दोनों रूपों के इस्तेमाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इन प्लेटफॉम्र्स को जहां आप अपनी रुचियों के परिमार्जन और आपसी मेल मिलाप आदि के दृष्टिकोण से सदुपयोग कर सकते हैं तो वहीं कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोग इन प्लेटफॉम्र्स को रुपया कमाने और हमारी युवा शक्ति को बिगाड़ कर सामाजिक माहौल को दूषित करने में दिन-रात लगे हुए हैं। लिहाजा इन माध्यमों पर परोसी जा रही अश्लीलता पर कानूनी तौर पर रोक लगाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। सबसे पहले 1997 में पहला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सिक्सडिग्री लॉन्च किया गया था। इसकी स्थापना एंड्रयू वेनरिच ने की थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते एक साल में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 7.6 फीसदी बढ़ी है और यह 4.72 अरब तक पहुंच गई है। भारत में फेसबुक पर एक महीने में लगभग 200 करोड़, यूट्यूब पर 100 करोड़, इंस्टाग्राम पर 70 करोड़, रेड्डिट के 25 करोड़, पिनट्रेस्ट के 15 करोड़, आस्क एफएम के 16 करोड़ उपयोगकर्ताओं सहित करोड़ों भारतीय अन्य सोशल मीडिया साइट्स पर विजिट्स करते हैं। आज दुनिया की कुल आबादी के 60 प्रतिशत से अधिक के बराबर जनता सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही है। आज की तारीख में गलत सूचनाएं और उम्र छुपा कर 9-10 साल के छोटे-छोटे बच्चों ने भी फेसबुक पर अपने अकाउंट खोल रखे हैं और धड़ल्ले से सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं।

ऑनलाइन शिक्षण के नाम पर बच्चों को स्मार्टफोन देना या उपलब्ध करवाना और उसे हर वक्त डाटा उपलब्ध करवाना मां-बाप की मजबूरी बन चुकी है। अब अभिभावक शिक्षित हो या अशिक्षित, प्रत्येक क्षण अपने बच्चों की

गतिविधियों पर नजर रखने से रहे, ऐसे में भारत में बढ़ता स्मार्टफोन्स का बाजार मां-बाप के समक्ष नई चुनौतियां भी खड़ी कर रहा है। ऊपर से फेसबुक, यूट्यूब और पोर्न साइट्स पर परोसी जा रही अश्लीलता से परिस्थितियां गंभीर होती जा रही हैं। जितने ज्यादा मोबाइल यूजर्स होंगे, उतना ही डाटा का इस्तेमाल बढ़ेगा और टेली कंपनियों के वारे न्यारे होंगे। इसलिए उनकी तरफ से हमारी किशोरवय एवं युवापीढ़ी गलत दिशा में जाती है तो भाड़ में जाए, उन्हें तो अपनी मोटी कमाई से मतलब है। इन सोशल नेटवर्किंग साइट्स के कुछ लाभ भी हैं तो कुछ हानियां भी हैं। जैसे सोशल मीडिया के इस्तेमाल से आप अकेलेपन का शिकार होने से बचते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स से आप हमेशा व्यस्त रह सकते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स आपके बिजनेस को भी फायदा पहुंचा सकती हैं और इन्हीं साइट्स पर आपको ठगा भी जा सकता है। वस्तुतः सोशल नेटवर्किंग एक प्रकार की लत है और आप इसके आदी होते चले जाते हैं। कई बार सोशल नेटवर्किंग साइट्स से आपका डाटा और फोटो भी चोरी कर लिए जाता है जिसका प्रयोग गलत कार्यों के लिए किया जा सकता है। सोशल नेटवर्किंग का इस्तेमाल करते समय आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिएं, जैसे सोशल साइट्स पर हमेशा अपनी पूरी जानकारी अपलोड न करें। सोशल साइट्स के द्वारा बने दोस्तों को आप अपनी पर्सनल जानकारी न दें। यह बात हमेशा ध्यान रखें कि सोशल नेटवर्किंग साइट्स नए लोगों से मिलने और उनसे जुडने का बस एक माध्यम भर है, अतएव इसे आप अपनी जिंदगी का हिस्सा न बनाएं।

वर्तमान समय में ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन, स्नैपचैट, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म व्यापक रूप से सूचना के स्रोत के रूप में उपयोग किए जाते हैं। हालांकि कभी-कभी इनके माध्यम से गलत सूचना का प्रसार भी हो जाता है। इसी को देखते हुए भारत सरकार ने नए आईटी नियमों को 26 मई 2021 को लागू किया है। नए नियमों के अनुसार व्हाट्सऐप और फेसबुक जैसी सोशल मीडिया प्लेटफॉम्र्स के जरिए भेजे और शेयर किए जाने वाले मैसेजेस के ओरिजनल सोर्स को ट्रैक करना जरूरी बनाया गया है। यानी अगर कोई गलत या फेक पोस्ट वायरल करता है तो सरकार कंपनी से उसके ऑरिजनेटर के बारे में पूछ सकती है और सोशल मीडिया कंपनियों को बताना होगा कि उस पोस्ट को सबसे पहले किसने शेयर किया था। जिस प्रकार आज धड़ल्ले से फेसबुक सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉम्र्स पर अश्लीलता परोसी जा रही है, वह भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है और भारत सरकार को निश्चित रूप से ऐसी साइट्स को तुरंत प्रभाव से ब्लॉक कर सख्त कानूनी प्रावधानों को समाज हित में लागू करना चाहिए, अन्यथा सोशल मीडिया बेलगाम हो जाएगा।

7_Delhi Edition NE 07-12-2023 18:23 Page 1

दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनॉमी बना भारत, दूसरी तिमाही में हुई सबसे ज्यादा ग्रोथ: निर्मला सीतारमन

मंत्री ने देश में आर्थिक स्थिति पर राज्यसभा में बड़ी संख्या में सदस्यों की भागीदारी के साथ तीन दिनों तक चली बहस का जवाब देते हुए ये कहा।

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत की दूसरी तिमाही की वृद्धि दुनिया में सबसे ज्यादा है क्योंकि देश सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुआ है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था 7.6 फीसदी बढ़ी। अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत की दूसरी तिमाही की वृद्धि दुनिया में सबसे ज्यादा है, क्योंकि देश सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुआ है। मंत्री ने देश में आर्थिक स्थिति पर राज्यसभा में बड़ी संख्या में सदस्यों की भागीदारी के साथ तीन दिनों तक चली बहस का जवाब देते हुए ये कहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था 7.6 फीसदी बढ़ी

चालू वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था 7.6 फीसदी बढ़ी। अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। निर्मला सीतारमण ने कहा, ₹भारत की दूसरी तिमाही की वृद्धि दुनिया में सबसे अधिक है, क्योंकि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। तीसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं (जापान और जर्मनी) ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ अनुबंध किया है। इसकी तुलना में, भारत की 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है महत्वपूर्ण है।"

व्यापारिक निर्यात में हुआ इजाफा

उन्होंने यह भी कहा कि अक्टूबर में भारत का व्यापारिक निर्यात 6.21 फीसदी बढ़कर 33.57 अरब डॉलर हो गया है। सीतारमण ने कांग्रेस के इन आरोपों का खंडन करने के लिए अतीत में इसी तरह की चर्चाओं की तारीखों का भी हवाला दिया कि सरकार अर्थव्यवस्था पर बहस करने की इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश के सभी सेक्टर आगे बढ़ रहे हैं।

सीतारमन ने आगे कहा-

सभी क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से बढ़ रहे हैं। मेक इन इंडिया कार्यक्रम और पीएम मोदी की योजनाओं के कारण, विनिर्माण क्षेत्र भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विनिर्माण क्षेत्र अर्थव्यवस्था में 13.9 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में नवंबर 56 था। यह विस्तारवादी क्षेत्र में है, इसलिए निरंतर वृद्धि का संकेत है। विकसित अर्थव्यवस्थाएं इसकी तुलना में संकुचनकारी विनिर्माण पीएमआई दिखा रही हैं।

जुलाई-सितंबर में 7.6 फीसदी की रफ्तार से दौड़ी इकोनॉमी, जारी हुए आंकड़े

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए सरकार ने आधिकारिक आंकड़े जारी कर दिए हैं। वित्त वर्ष 24 के Q2 में देश की अर्थव्यवस्था 7.6 फीसदी के रफ्तार से बढ़ी है। हालांकि FY24 की पहली तिमाही के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था गिरी है। आपको बता दें कि पहली तिमाही में विकास दर 7.8 फीसदी रही थी।

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान देश के जीडीपी के आधिकारिक आंकड़े सरकार ने जारी कर दिए हं। दूसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.6 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ी है।

पहले तिमाही के मुकाबले कम रही विकास दर

हालांकि वित्त वर्ष 24 के पहले तिमाही के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था गिरी है। पहले तिमाही में विकास दर 7.8 प्रतिशत पर था।

शुरुआती उछाल के बाद बाजार में आई गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी में उतार-चढ़ाव जारी

गुरुवार को स्टॉक मार्केट में तेजी का दौर जारी है। आज सेंसेक्स 118 अंक चढ़ा है और निफ्टी 55 अंक की तेजी के साथ खुला है। डॉलर के मुकाबले रुपया आज मामूली बढ़त के साथ खुला है। एक्सपर्ट का कहना है कि 3 दिसंबर तो आने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों का असर बाजार पर पड़ेगा। पढ़िए पूरी खबर...

नई दिल्ली। 30 नवंबर 2023 (गुरुवार) को शेयर मार्केट हरे निशान पर खुला है। आज बीएसई और निफ्टी के साथ बाकी सूचकांक भी तेजी के साथ खुले थे। इसके बाद यह उतार-चढ़ाव का दौर जारी हो गया था। आज सेंसेक्स 118.2 अंक चढ़कर 67,020.11 पर पहुंच गया। निफ्टी 39.55 अंक बढ़कर 20,136.15 पर पहुंच गया।

इसके बाद दोनों बेंचमार्क सूचकांकों ने सभी शुरुआती बढ़त छोड़ दी और निचले स्तर पर कारोबार कर रहे थे। आज सेंसेक्स 214.84 अंक गिरकर 66,687.07 पर और निफ्टी 55.80 अंक गिरकर 20,040.80 पर कारोबार किया।

टॉप गेनर और टॉप लूजर स्टॉक

सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, विप्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और एनटीपीसी के शेयर लाल निशान पर ट्रेड कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार का हाल

एशियाई बाजारों में, शंघाई और हांगकांग लाभ के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि सियोल और टोक्यो नकारात्मक क्षेत्र में थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत गिरकर 82.95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 71.91 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

मामूली बढ़त के साथ खुला रुपया

आज डॉलर के मुकाबले रुपया मामूली बढ़त के साथ खुला है। विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.31 पर खुला और 83.29 से 83.32 के दायरे में कारोबार किया। इसके बाद में यह ग्रीनबैक के मुकाबले 83.30 पर कारोबार किया, जो पिछले बंद के मुकाबले 2 पैसे की बढ़त दर्शाता है। बीते दिन मंगलवार को 6 पैसे की बढ़त के बाद बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे बढ़कर 83.32 पर बंद हुआ।

बजट अनुमान का 45 प्रतिशत तक पहुंचा राजकोषीय घाटा, CGA ने जारी किए आंकड़े

जारी CGA की रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर के अंत में सरकार का राजकोषीय घाटा पूरे वर्ष के बजट अनुमान का 45 प्रतिशत तक पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से अक्टूबर के बीच सरकार का राजकोषीय घाटा 8.03 लाख करोड़ रुपये था। जानिए सरकार ने कितना लगया है घाटे का अनुमान और पिछले साल के क्या है आंकड़े।

नई दिल्ली। लेखा महानियंत्रक (CGA) द्वारा आज जारी रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर के अंत में सरकार का राजकोषीय घाटा पूरे साल के बजट अनुमान के 45 प्रतिशत तक पहुंच गया है। आंकड़ो के मुताबिक अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान राजकोषीय घाटा 8.03 लाख करोड़ रुपये था।

क्या होता है राजकोषीय घाटा?

सरकार के व्यय और राजस्व के बीच के अंतर को राजकोषीय घाटा कहा जाता है। पिछले साल इसी अवधि में सरकार का राजकोषीय घाटा 2022-23 के बजट अनुमान का 45.6 फीसदी था।

सरकार ने कितना लगाया है अनुमान

2023-24 के लिए सरकार का राजकोषीय घाटा 17.86 लाख करोड़ रुपये या जीडीपी का 5.9 फीसदी रहने का अनुमान लगया है।

भारतीय रुपये में आई मामूली तेजी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे की हुई बढ़त

पिछले कारोबारी दिन भारतीय करेंसी मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ था। आज भी रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। वहीं शेयर मार्केट में तेजी के साथ खुला था पर बाद में इसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिला। विदेशी निवेशकों द्वारा जारी खरीदारी और शेयर मार्केट में तेजी ने रुपया को निचले स्तर में जाने से रोक दिया है।

नई दिल्ली। आज डॉलर के मुकाबले रुपया मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। शेयर बाजारों से बढ़त और निरंतर विदेशी फंड प्रवाह के चलते रुपये ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी। आज के कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2 पैसे बढ़कर 83.30 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा तेल उत्पादक देशों ओपेक+ की महत्वपूर्ण बैठक से पहले कच्चे तेल की कीमतें 82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही हैं, हालांकि भारतीय मुद्रा में तेज बढ़त पर रोक लगी है। इसके अलावा आज दिन में जारी होने वाले घरेलू जीडीपी आंकड़ों का भी निवेशकों को इंतजार रहेगा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा में, रुपया डॉलर के मुकाबले 83.31 पर खुला और 83.29 से 83.32 के दायरे में कारोबार किया। बाद में इसने ग्रीनबैक के मुकाबले 83.30 पर कारोबार किया, जो पिछले बंद के मुकाबले 2 पैसे की बढ़त दर्शाता है। मंगलवार को 6 पैसे की बढ़त के बाद बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे बढ़कर 83.32 पर बंद हुआ। इस बीच, डॉलर सूचकांक में डॉलर 0.02 प्रतिशत कम होकर 102.78 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.18 प्रतिशत गिरकर 82.95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

शेयर मार्केट में तेजी

आज बीएसई सेंसेक्स 41.15 अंक या 0.06 प्रतिशत बढ़कर 66,943.06 पर कारोबार कर रहा था, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 17.15 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 20,113.75 पर पहुंच गया। बुधवार को दोनों सूचकांकों में 1 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया पर बाद में सेंसेक्स और निफ्टी निचले स्तर पर पहुंच गए। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक बुधवार को 71.91 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सस्ता हुआ सोना तो चढ़ गए चांदी के भाव, चेक करें अपने शहर के लेटेस्ट रेट

सर्राफा बाजार में सोने की में नरमी और चांदी की कीमतें बढ़ गई हैं। अगर आप सोना या चांदी खरीदने की योजना बना रहे हैं तो आपको सोने की कीमत पहले ही पता कर लेनी चाहिए। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोना 62880 रुपये है। जानिए आपके शहर में आज क्या है 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत।

नई दिल्ली। गुरुवार 30 नवंबप को सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों को अपडेट कर दिया गया है। अगर आप सोना या चांदी खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो उससे पहले आपको गोल्ड की कीमत पता कर लेनी चाहिए।

कितनी है सोने की कीमत

गुरुवार को वायदा कारोबार में सोने की कीमत 4 रुपये गिरकर 62,601 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध में 199 लॉट के कारोबार के साथ 4 रुपये या 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 62,601 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,065 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

चांदी हुई महंगी

वायदा कारोबार में गुरुवार को चांदी की कीमत 158 रुपये बढ़कर 75,930 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 158 रुपये या 0.21 प्रतिशत बढ़कर 792 लॉट में 75,930 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.22 प्रतिशत बढ़कर 25.50 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

चेक करें अपने शहर के लेटेस्ट रेट

गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक आज सोने की कीमत इस प्रकार हैं:

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,880 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,730 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,730 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,980 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,730 रुपये है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,730 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,880 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,880 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 62,780 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 62,880 रुपये है।

महुआ मोइत्रा की बढ़ सकती है परेशानी, शुक्रवार को लोकसभा में पेश हो सकती है एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद महुआ मोइत्रा की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। कैश-फॉर-क्वेरी मामले में महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने की सिफारिश आचार समिति की एक रिपोर्ट में की गई है जिसे शुक्रवार को लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है। एथिक्स कमेटी की इस रिपोर्ट को चार दिसंबर को ही पेश किया जाना था लेकिन इसे पेश नहीं किया गया।

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद महुआ मोइत्रा की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। 'कैश-फॉर-क्वेरी' मामले में महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने की सिफारिश आचार समिति की एक रिपोर्ट में की गई है, जिसे शुक्रवार को लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने संसदीय सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। मालूम हो कि एथिक्स कमेटी की इस रिपोर्ट को चार दिसंबर को ही निचले सदन में पेश किया जाना था, लेकिन इसे पेश नहीं किया गया।

मोइत्रा के साथ खड़ी है टीएमसीः अभिषेक बनर्जी

इससे पहले इस मामले में सांसद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश के बीच तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कहा था कि पार्टी अपनी सांसद के साथ खड़ी है। उन्होंने आगे कहा था कि सांसद मोइत्रा इस लड़ाई को अकेले ही लड़ने में सक्षम हैं।

क्या है मामला?

मालूम हो कि सांसद महुआ मोइत्रा पर अडाणी समूह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने के लिए कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर सदन में सवाल पूछने के बदले रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। इस मामले पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वकील जय अनंत देहाद्राई के माध्यम से मोइत्रा के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को शिकायत भेजी थी। वहीं, भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली लोकसभा आचार समिति ने इस महीने की शुरुआत में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें मोइत्रा को निष्कासित करने की सिफारिश की गई थी।

टीएमसी ने की चर्चा कराने की मांग

इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने सर्वदलीय बैठक में लोकसभा में 'कैश-फॉर-क्वेरी' मामले में पार्टी के सांसद महुआ मोइत्रा को सदन से निष्कासित करने की आचार समिति की सिफारिश पर चर्चा की मांग की। मालूम हो कि संसद का शीतकालीन सत्र चार दिसंबर से शुरू हो रहा है, जो कि 22 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान कुल 15 बैठकें होंगी।

बीजेपी बिधायिका कुसुम टेटे की संगीन शिकायत

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भूबनेवश्वरः सुंदरगढ़ आईटी छापेमारी को लेकर कुसुम टेटे की शिकायत सामने आयी है. पूर्व विधायक ने योगेश सिंह पर लगाया रिश्तेदारी का आरोप. उन्होंने बताया कि योगेश की मां का नाम पहले बाईनरि था. लेकिन अब एक अलग नाम सामने आ रहा है, हो सकता है कि यह बदल गया हो, कुसुम टेट ने कहा। अवैध बाईनरि का बिधानसभा सदन में कई बार जिक्र हो चुका है. आरोप है कि अस्पतालों, स्कूलों और बस्तियों के आसपास शराबियों का जमावड़ा रहता है. लेकिन सराकर ने मेरी शिकायत नहीं सुनी, कुसुम टेटे ने कहा. अभी तक योगेश सिंह की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है.

गिरफ्त से भागने की फिराक में था हत्या का आरोपी, तलाश कर रहे थे धार दार हथियार; पुलिस ने दागी गोली

असम के कोकराझार जिले में हत्या का आरोपी पुलिस की गिरफ्त से भागने की कोशिश में घायल हो गया। आधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि रिटायर इंजीनियर की हत्या के मुख्य आरोपी को पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल के कूच बिहार से गिरफ्तार किया गया था और फिर उसे कोकराझार पुलिस स्टेशन लाया गया था। 19 नवंबर को हुई इस घटना में इंजीनियर की पत्नी भी घायल हो गई थी। **कोकराझार।** असम के कोकराझार जिले में हत्या का आरोपी पुलिस की गिरफ्त से भागने की कोशिश में घायल हो गया। बता दें कि भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं रुका। जिसके बाद पुलिस गोलीबारी में आरोपी घायल हो गया।

आधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि रिटायर इंजीनियर की हत्या के मुख्य आरोपी को पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल के कूच बिहार से गिरफ्तार किया गया था और फिर उसे कोकराझार पुलिस स्टेशन लाया गया था। 19 नवंबर को हुई इस घटना में इंजीनियर की पत्नी भी घायल हो गई थी। बकौल अधिकारी, हत्या के मुख्य आरोपी ने बीती रात अभगुरी के पास एक तलाशी अभियान के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की उस वक्त कोशिश की जब वारदात में इस्तेमाल तेज धार हथियार (Machete) को बरामद करने के लिए इलाके में ले जाया गया था। हालांकि, पुलिस टीम ने आरोपी को रुकने के लिए कहा, लेकिन वह रुका नहीं। ऐसे में उन्होंने आरोपी के पैर को निशाना बनाते हुए एक राउंड गोली दागी।

यमुना एक्सप्रेस वे पर क्यों सैकड़ों लोग गंवा रहे जान, बड़ी वजह आई सामने; गर्मियों में अधिक रहता है हादसों का ग्राफ

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर गर्मियों में हादसों की संख्या सर्दियों के तुलना में अधिक होती है। इसकी बड़ी वजह वाहनों की तेज रफ्तार है। प्रदेश में भी सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह तेज रफ्तार है। 2022 में हुए कुल हादसों में चालीस प्रतिशत हादसे वाहनों की तेज गति के कारण हुए थे।

सड़क हादसों में हर साल लाखों लोग गंवाते हैं अपनी जान

सड़क हादसों में हर साल लाखों लोग अपनी जान गंवा बैठते हैं। सर्दियों में दृश्यता कम होने के कारण हादसों की आशंका अधिक होती है, लेकिन गर्मियों में हादसे अधिक होते हैं। इसकी वजह वाहनों की तेज रफ्तार है।

कब कितने हादसे हुए?

यमुना एक्सप्रेस वे पर गर्मियों के दौरान हुए अधिक हादसे यमुना एक्सप्रेस-वे पर इस वर्ष जनवरी से अक्टूबर तक 341 हादसे हुए हैं। अप्रैल से सितंबर के बीच 228 हादसों में इसमें पचास लोगों की जान गई। जनवरी, फरवरी, मार्च व अक्टूबर में कुल 113 हादसों में 113 हादसों में 30 लोगों की जान गई है।

पिछले साल जनवरी से अक्टूबर के बीच 262 हादसे हुए थे। अप्रैल से सितंबर के दौरान 167 हादसों में 63 लोगों की मौत हुई थी। जनवरी, फरवरी, मार्च, अक्टूबर में 95 हादसों में 28 लोगों की मौत हुई थी।

प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग व एक्सप्रेस वे पर प्रदेश में जनवरी से अक्टूबर तक 36476 हादसे हो चुके हैं। जबकि पिछले साल इसी अवधि में 34220 हादसे हुए थे।

गर्मियों के दौरान तीस प्रतिशत हादसे हुए, जब मौसम पूरी तरह से साफ था। कोहरे के दौरान 17 प्रतिशत हादसे हुए। प्रदेश में केवल यमुना एक्सप्रेस वे ही इकलौता है जहां ई चालान पोर्टल से इंटीग्रेशन है।

तेज रफ्तार के कारण होते हैं सड़क हादसे

सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह वाहनों की तेज रफ्तार है। प्रदेश भर में चालीस प्रतिशत हादसे तेज रफ्तार के कारण हुए हैं। यमुना एक्सप्रेस वे पर भी वाहनों की तेज गति के कारण हादसे होते हैं।

हालांकि इसे रोकने के लिए एक्सप्रेस वे पर चालान की प्रभावी कार्रवाई के अलावा एक्सप्रेस वे की दोनों सड़कों के बीच दोनों ओर क्रैश बीम बैरियर लगाए गए हैं। इस पर प्राधिकरण ने करीब 240 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसे

वर्ष	हादसे	मौत	घायल
2020	509	128	1013
2021	420	135	949
2022	310	105	675
2023	341	80	596

प्रदेश में हादसों की स्थिति

वर्ष	हादसे	मौत	घायल
2020	34243	19149	22410
2021	37729	21227	24897
2022	41746	22595	28541

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसे की रोकथाम के लिए जरूरी उपाय किए गए हैं। सर्दियों में कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से हादसे की रोकथाम के लिए गति सीमा कम की जाती है। एक्सप्रेस वे पर क्रैश बीम बैरियर के अलावा साइनेज, रंबल स्ट्रिप, बुल नोज समेत आइआइटी दिल्ली के सुझाव पर अन्य उपाय किए गए हैं।

डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण

> यमुना एक्सप्रेस वे पर गर्मियों के दौरान हुए अधिक हादसे यमुना एक्सप्रेस-वे पर इस वर्ष जनवरी से अक्टूबर तक 341 हादसे हुए हैं। अप्रैल से सितंबर के बीच 228 हादसों में इसमें पचास लोगों की जान गई। पिछले साल जनवरी से अक्टूबर के बीच 262 हादसे हुए थे। अप्रैल से सितंबर के दौरान 167 हादसों में 63 लोगों की मौत हुई थी।

असम में 1966 से 1971 के बीच कितने बांग्लादेशियों को दी गई नागरिकता? सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा यह सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह एक जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 के बीच असम में बांग्लादेशी प्रवासियों को प्रदान की गई भारतीय नागरिकता के आंकड़े उपलब्ध कराए। पीठ ने कहा कि हमारा मानना है कि केंद्र सरकार के लिए अदालत में आंकड़ों पर आधारित तथ्य रखना जरूरी होगा। हम निर्देश देते हैं कि हलफनामे को अदालत में सोमवार या उससे पहले दायर किया जाए।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह एक जनवरी, 1966 से 25 मार्च, 1971 के बीच असम में बांग्लादेशी प्रवासियों को प्रदान की गई भारतीय नागरिकता के आंकड़े उपलब्ध कराए। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुंद्रेश, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की संविधान पीठ असम में घुसपैठियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा-6ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 17 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

पीठ ने राज्य सरकार को दिया यह निर्देश

पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 11 दिसंबर से पहले हलफनामा दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को आंकड़े उपलब्ध कराए। साथ ही केंद्र को निर्देश दिया कि वह भारत में खासकर पूर्वोत्तर राज्यों में घुसपैठियों से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में उसे सूचित करे। पीठ ने कहा,

हमारा मानना है कि केंद्र सरकार के लिए अदालत में आंकड़ों पर आधारित तथ्य रखना जरूरी होगा। हम निर्देश देते हैं कि हलफनामे को इस अदालत में सोमवार या उससे पहले दायर किया जाए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि केंद्र के हलफनामे में बांग्लादेश से आए उन प्रवासियों की संख्या होनी चाहिए जिन्हें अधिनियम की धारा-6ए के तहत भारतीय नागरिकता प्रदान की गई, इसमें इस बात का भी जिक्र होना चाहिए कि एक जनवरी, 1966 से 25 मार्च, 1971 के बीच पड़ोसी देश से भारत में कितने प्रवासी आए। पीठ ने सवाल किया कि उक्त अवधि के संदर्भ में फारेन ट्रिब्यूनल्स आर्डर, 1964 के तहत कितने लोगों की विदेशियों के रूप में पहचान हुई।

अदालत ने भारत में खासकर पूर्वोत्तर में घुसपैठियों से निपटने के लिए उठाए गए कदमों और सीमा पर लगाई गई बाड़ के बारे में भी जानकारी मांगी।इससे पूर्व दिन में पीठ ने केंद्र से सवाल पूछा कि उसने नागरिकता अधिनियम की धारा-6ए के दायरे में असम को ही क्यों रखा और बंगाल को बाहर रखा, जबकि बंगाल की बांग्लादेश के साथ सीमा कहीं ज्यादा बड़ी है।

नागरिकता अधिनियम की धारा-6ए

उल्लेखनीय है कि नागरिकता अधिनियम की धारा-6ए असम में घुसपैठियों से संबंधित है। इस धारा को असम समझौते के तहत लोगों की नागरिकता से निपटने के लिए नागरिकता अधिनियम में विशेष प्रविधान के रूप में जोड़ा गया था।

इसके मुताबिक, बांग्लादेश समेत निर्दिष्ट क्षेत्रों से एक जनवरी, 1966 से 25 मार्च, 1971 के बीच असम आए और उसके बाद से वही रह रहे लोगों को भारतीय नागरिकता हासिल करने के लिए धारा-18 के तहत खुद का पंजीकरण कराना होगा। परिणामस्वरूप, यह प्रविधान असम में बांग्लादेशी प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने के लिए कटआफ डेट 25 मार्च, 1971 निर्धारित करता है।

28 दिसंबर को संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में ऑल इंडिया ट्रक ट्रांसपोर्ट संगठन के द्वारा हरयाणवी कल्चर प्रोग्राम और ट्रक आनर्स के साथ मीटिंग की जा रही है इस मीटिंग में ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री से जुड़े मुद्दों पर बातचीत होगी आज ट्रक इंडस्ट्री में ट्रक मालिक बर्बादी के कगार पर खड़ा है सरकार की ऐसी नीतियां जिसे आज तक मालिकों की ओर ट्रांसपोर्टर की हालत खराब होती जा रही है इस प्रोग्राम में हरियाणवी कलाकार कद अंजलि राघव और भी हरियाणा के बड़े-बड़े कलाकार परफॉर्म करेंगे

इस प्रोग्राम के के लिए नितिन गडकरी जी को भी चीफ गेस्ट के रूप में इनवाइट किया हुआ है हम आशा करते हैं आप सभी भाई पर चढ़कर इस प्रोग्राम में हिस्सा लेंगे और ट्रक इंडस्ट्री की समस्याओं के बारे में बात करेंगे धन्यवाद

अनिल कौशिक राष्ट्रीय अध्यक्ष ऑल इंडिया ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन दिल्ली

17 जनवरी को लॉन्च होगा पुरी श्रीमंदिर का परिक्रमा मार्ग

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वरः बहुप्रतीक्षित पुरी श्रीमंदिर यात्री परिक्रमा मार्ग का उद्घाटन समारोह 17 जनवरी को होगा। इसलिए 12 जनवरी से पौधारोपण कार्यक्रम शुरू होगा। 15 तारीख को सुबह 7:30 बजे यज्ञ शुरू होगा. सोमवार को प्रबंधन समिति के सदस्य, मंदिर पुरोहित, ओबीसीसी, टाटा के अधिकारी मंदिर के मुख्य प्रशासक रंजन दास से मिलने पहुंचे और पता किया कि यज्ञ कहां होगा।

तीर्थ के उत्तर-पूर्वी कोने पर यज्ञ संपन्न होने के बाद आज पैमाना कार्य भी पूरा हो गया है।

हालांकि 17 जनवरी को कर्ता के रूप में शामिल हुए महाराजा दिब्यसिंह देव यज्ञ कुंड में अंतिम संस्कार करेंगे। चारिदुआर में चारिवेद का पाठ भी किया जायेगा. इसके अलावा संतों और मठाधीशों द्वारा 24 घंटे का अखंड नाम संकीर्तन किया जाएगा। श्रीमंदिर के मुख्य प्रशासक रंजन दास ने मीडिया को बताया कि समर्पण समारोह 17 जनवरी को बहुत ही आध्यात्मिक माहौल में आयोजित किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023